दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 41 अंक 252 पटियाला शुक्रवार 12 सितम्बर 2025 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

मकान गिरने से 3 की मौत

रांची,11 सितम्बर (निस) झारखंड के धनबाद जिले में बुधवार शाम भारी बारिश के बाद एक जर्जर मकान गिर गया जिसमें दबने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। घटना लोदना पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले बीसीसीएल के एक क्वार्टर में हुई। मकान ढहने के बाद कम से कम सात लोग मलबे में दब गए। जिनमें से तीन की मौत हो गयी।

अलवर में हॉस्टल से मतांतरण का खेल बेनकाब

जयपुर, 11 सितम्बर (निस)
राजस्थान के अलवर जिले में ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित एक हॉस्टल में जबरन और प्रलोभन देकर मतांतरण करवाने का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यहां रहने वाले 60 से अधिक बच्चे इस खेल का शिकार बनाए गए।

नेपाल में हालात अभी विकट, अयोध्या के 8 श्रद्धालू फंसे

पीएम दावेदारों में अब कुलमान घिसिंग भी शामिल, सेना ने हिंसा रोकने के लिए सख्त कदम उठाए, भारत ने घुसपैठ रोकने के लिए 60 हजार जवान तैनात किए

नई दिल्ली, 11 सितम्बर (निस)
नेपाल में भड़की हिंसा और अराजकता का असर अब भारत-नेपाल सीमा पर साफ देखने को मिल रहा है। घुसपैठियों से सीमा की सुरक्षा को लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाते हुए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50 बटालियन यानी करीब 60 हजार जवानों को उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और सिक्किम से लगती सीमा पर मुस्तैद कर दिया है। इनका मकसद किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और नेपाल से जेल तोड़कर भागे कैदियों की घुसपैठ को रोकना भारत आने वाले खासतौर पर भारतीय नागरिकों को हर संभव मदद देना है।

नेपाल में हालात इतने बिगड़े हैं कि 24 जेलों को तोड़कर 15 हजार से ज्यादा कैदी फरार हो चुके हैं। इनमें से कई कैदी भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक ऐसे 60 कैदियों को गिरफ्तार किया है। इनमें कुछ भारतीय कैदी भी शामिल हैं। एसएसबी अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए कैदियों को स्थानीय पुलिस को सौंपा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। सूत्रों का कहना है कि नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों ने भारत को अलर्ट किया है कि जेल से भागे अपराधियों में से कई भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर सकते हैं। नेपाल ने यह भी अनुरोध किया है कि यदि ऐसे किसी कैदी को पकड़ा जाए तो उसे वापस नेपाल की जेलों में भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाए।

कुलमान घिसिंग का नाम आया सामने-नेपाल में जारी राजनीतिक उथल-पुथल और जनरेशन-जेड (त्वद्वठ्ठ) के नेतृत्व में हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच अब एक नई राजनीतिक दिशा सामने आ रही है। दरअसल, नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व प्रमुख इंजीनियर कुलमान घिसिंग को अंतरिम सरकार का नेतृत्व सौंपे जाने की चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, शुरू में त्वद्वठ्ठ गुट की ओर से देश की अंतरिम सत्ता के लिए पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की का नाम प्रस्तावित किया गया था, लेकिन उनके नाम को लेकर गुट के भीतर विरोध उत्पन्न हो गया। इसके बाद कुलमान घिसिंग का नाम सर्वसम्मति से आगे लाया गया है।

प्रेस रिलीज में क्या कहा गया?
एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, संविधान के अनुसार, पूर्व प्रधान न्यायाधीश और न्यायाधीश इस पद के लिए योग्य नहीं होते। साथ ही, सुशीला कार्की की उम्र 70 वर्ष से अधिक है, इसलिए वे त्वद्वठ्ठ का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकतीं। इसी कारण उनका नाम अस्वीकृत किया गया है।विज्ञप्ति में यह भी उल्लेख किया गया है कि बालेन्द्र शाह (वर्तमान में काठमांडू के मेयर) ने इस पद में रुचि नहीं **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

पीएम मोदी ने मॉरीशस के लिए करोड़ों डालर का विशेष आर्थिक पैकेज का ऐलान किया

वाराणसी **11 सितम्बर (निस)**
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुवार को एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की जिसमें भारत, मॉरिशस को निगरानी के लिए हेलिकॉप्टर, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाह के पुनर्विकास में मदद और चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र के विकास में सहायता करेगा। प्रधानमंत्री मोदी और भारत यात्रा पर आये मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच यहां 'बेहद सार्थक' वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में पीएम मोदी ने इस पैकेज की घोषणा की। दोनों देशों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कार्मिक

प्रशिक्षण, विद्युत और जल विज्ञान सहित सात क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किये। इसके अलावा उन्होंने परस्पर सहयोग बढ़ाने की कई घोषणाएं भी की। साथ ही मॉरिशस के अनुरोध पर बुनियादी ढांचे की अनेक योजनाओं में सहायता की भी घोषणा की गयी। भारत की ओर से दिये जाने वाले वाले पैकेज में अनुदान के आधार पर शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में नया सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय अस्पताल, आयुष उत्कृष्टता केंद्र, पशु चिकित्सा विद्यालय और पशु अस्पताल तथा हेलीकॉप्टरों का प्रावधान है। इन पर लगभग 21 करोड़ 50 लाख डॉलर की लागत आने का अनुमान है।

अनुदान-सह-ऋण के आधार पर शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में एसएसआर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए एटीसी टावर का निर्माण कार्य, मोटरवे एम-4 का विकास, रिंग रोड चरण दो का विकास और सीएचसीएल द्वारा बंदरगाह उपकरणों का अधिग्रहण शामिल है। इन पर करीब 44 करोड़ डॉलर की लागत का अनुमान है। रणनीतिक मोर्चे पर दोनों पक्षों **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

पंजाब में 2 जबरदस्त घमाके, एक घायल, सेना से मांगी गई मदद

बठिंडा **11 सितम्बर (निस)**
जिला बठिंडा के गांव जिदा में आज एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब दो बार भयानक धमाके हुए। जानकारी के अनुसार गांव के 19 वर्षीय युवक गुरप्रीत सिंह, जो लॉ का छात्र है, ने ऑनलाइन कुछ सामान मंगवाकर उसके साथ प्रयोग करना शुरू किया। इसी दौरान पहला धमाका हो गया। इस हादसे में गुरप्रीत गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी बाजुएं झुलस गईं। उसे तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।वहीं कुछ देर बाद जब गुरप्रीत का पिता जगतार सिंह वही सामान इकट्ठा कर रहा था, तभी दूसरा धमाका हो गया। इस धमाके में जगतार सिंह की आंखें बुरी तरह झुलस गईं और उसे भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। एसएसपी अमनीत कोंडल ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। इलाके को घेरकर बम निरोधक दस्ता और फोरेंसिक टीमें जांच में जुट गई हैं। पुलिस ने इस मामले में सेना की मदद भी मांगी है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि धमाके में आर.डी.एक्स. या पोटाश जैसी खतरनाक सामग्री का इस्तेमाल हुआ हो सकता है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। इस घटना के बाद न सिर्फ गांव बल्कि पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है।

विपक्षी दल बिहार की जनता को गुमराह करने में नाकाम, एनडीए की जीत यकीनी-पीयूष

नई दिल्ली 11 सितम्बर (निस) केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पूरी तरह से विफल हो चुके हैं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी या राजद नेता तेजस्वी चाहे जितना भी बोलें या गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोयल ने कहा कि विपक्ष हमें हराने का बहाना ढूंढ रहा है। मैं राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की माँ को गाली देने की कड़ी निंदा करता हूँ। मैं राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से कहना चाहता हूँ कि चाहे आप कितना भी बोलें या गाली दें, बिहार की जनता

गुमराह नहीं होगी; बिहार की जनता समझदार है। यह विवाद एक वायरल वीडियो के बाद शुरू हुआ, जिसमें राहुल गांधी की बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में एक रैली में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत माँ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी दिखाई गई थी। दरभंगा पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जाँच जारी है। गोयल ने आगे कहा कि नीतीश और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरे विश्वास के साथ बिहार की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, एनडीए बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इसके अलावा, पीयूष गोयल ने नए जीएसटी सुधारों की भी सराहना करते हुए कहा कि जैसे-जैसे चीज़ें सस्ती होंगी, माँग बढ़ेगी और इससे व्यापार जगत को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी के ट्रम्प को जवाब से दोनों नेताओं के बीच नजदीकियां बढ़ने की उम्मीद, द्विपक्षीय सांझेदारी जल्द होगी

नई दिल्ली 11 सितम्बर (निस) : पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ मित्रता और प्राकृतिक साझेदारी पर जोर देते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच चल रही व्यापारिक वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को अनलॉक करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इन चर्चाओं को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। बता दें कि पीएम मोदी का ये बयान तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को एक महान देश बताते हुए व्यापार वार्ता जारी रखने की बात कही है। बता दें कि भारत की द्विपक्षीय

व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका के साथ बात चल रही है। हालांकि, टैरिफ मुद्दों पर जुड़े तनाव के बीच इस समझौते पर बातचीत फिलहाल रुक गई है। अमेरिकी दल को छठे दौर की वार्ता के लिए 25 अगस्त को भारत आना था लेकिन ट्रंप की टैरिफ संबंधी घोषणाओं के बीच उसने इस यात्रा को टाल दिया। अभी नई तारीख की घोषणा भी नहीं की गई है। ट्रंप ने रूस से तेल की खरीद पर 25 फीसदी सहित भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी 'टैरिफ'लगाया है। मोदी ने एक बयान में कहा, भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और प्राकृतिक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापारिक वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को अनलॉक करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए कार्यरत हैं। मैं भी राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत करने का इंतजार कर रहा हूं। हम मिलकर दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्जवल, अधिक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के बयान को ट्रंप ने भी शेयर किया है। उन्होंने पीएम मोदी के एक्स पर किए गए पोस्ट का स्क्रीनशॉट अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर शेयर किया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार बाधाओं को लेकर वार्ता जारी है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पांच और हवाई अड्डों पर 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' की शुरुआत की

नई दिल्ली, **11 सितम्बर (निस)** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को

पांच और हवाई अड्डों पर 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) की शुरुआत की, जो पूर्व-सत्यापित भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीय (ओसीआई) कार्ड धारकों की आव्रजन प्रक्रिया को तेज करता है। यह विशेष पहल सबसे पहले जुलाई 2024 में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुरू हुई थी, और दो माह बाद सात और हवाई अड्डों-मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि और अहमदाबाद में शुरू की गई। इसी कड़ी में गुरुवार को एफटीआई-टीटीपी लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कोझिकोड और अमृतसर में शुरू किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन- ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम आव्रजन को सरल, तेज और बाधा मुक्त बनाता है। केंद्रीय मंत्री शाह ने बताया कि इस कार्यक्रम का सबसे ज्यादा लाभ ओसीआई कार्डधारकों और विदेश यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों को मिलेगा। अब तक तीन लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है और 2.65 लाख लोगों ने सुविधा का लाभ उठाया है।

वोट चोरी का हाईड्रोजन बम आने वाला है, सब साफ हो जाएगा-राहुल गांधी

रायबरेली **11 सितम्बर (निस)**
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। इंतजार कीजिए बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं। भाजपा वाले परेशान न

हों, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में हैं। आज बृहस्पतिवार को दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद जब वो बाहर निकले तो उन्होंने मीडिया से संक्षिप्त बातचीत की। विदित हो कि राहुल गांधी बुधवार शाम ऊंचाहार पहुंचे। वहां बूथ अध्यक्षों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भारी मतों के अंतर से जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उनके निशाने पर चुनाव आयोग रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीती है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश में एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए हैं।

नेपाल की अपेक्षा भारत का संविधान एवं संविधानिक संस्थाएं मजबूत-कांग्रेस

नई दिल्ली, **11 सितम्बर (निस)** नेपाल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और हिंसा को लेकर भारत में भी सियासी पारा चढ़

गया है। कांग्रेस लोकतंत्र का जिक्र कर बीजेपी पर तीखे हमले कर रही है। कांग्रेस नेता उदित राज ने नेपाल के हालात पर चिंता जताते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार संविधान बदलना चाहती है, लेकिन भारत में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत हैं। इसलिए वे ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि भारत में लोग नेपाल जैसे हालात न होने पर चर्चा कर रहे हैं। कई युवा महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान हैं। उदित राज का मानना है कि भारत का संविधान और संवैधानिक संस्थाएं मजबूत हैं। वरना यहां भी श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल से ज्यादा स्थिति खराब हो सकती थी। बता दें नेपाल सरकार ने चार सितंबर को सोशल मीडिया पर बैन लगा दिया था। इसके विरोध में नेपाल के जेन-जी युवाओं ने सड़क पर उतर कर सरकार के इस फैसले का विरोध किया।

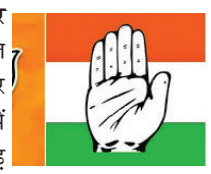

अब तक 650 ट्रकों के माध्यम से भेजी गयी राहत सामग्री

आपदा के समय पंजाब की मदद करके सीएम सैनी ने भाईचारे की शानदार मिसाल पेश की

चंडीगढ़, 11 सितम्बर (अमृतपाल सिंह) पंजाब में भारी बारिश और बाढ़ के कारण आई आपदा की इस कठिन घड़ी में हरियाणा सरकार ने भाईचारे का हाथ बढ़ाया और प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाकर मानवीय मिसाल भी पेश की। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा तुरंत प्रभाव से 5 करोड़ रुपये की राशि पंजाब सरकार को भेजी गई, वहीं अब तक लगभग 650 ट्रक राहत सामग्री भी पंजाब के प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना किए जा चुके हैं। अव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत दे सब बन्दे, एक नूर ते सब जग उपजया, कौन भले कौन मन्दे। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की ये पावन वाणी मानवता के एक सार होने का संदेश देती है। ये हमें सिखाती है कि सृष्टि का प्रत्येक प्राणी एक ही परमज्योति से उत्पन्न हुआ है और

इसलिए भेदभाव से परे हमें एक-दूसरे की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए। गुरुओं के इसी संदेश को और सेवा भाव को अपनाते हुए नायब सरकार ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अभूतपूर्ण पहल की है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि पंजाब के लोगों को यदि पीने के पानी की आवश्यकता होगी तो हरियाणा अपने भूमिगत जल से भी पंजाब के लोगों को पानी उपलब्ध करवाएगा। लेकिन आज, पानी की नहीं बल्कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को सहायता की आवश्यकता है और हरियाणा सरकार हर संभव सहायता प्रदान कर रहीहै। हरियाणा सरकार के प्रयास संकट की घड़ी में राजनीति से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोपरि रखते हुए लोगों की मदद करने की नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मंत्रीगण और जिला प्रशासन के प्रयासों के साथ - साथ सामाजिक संगठनों की भागीदारी से हरियाणा के विभिन्न जिलों से लगातार राहत सामग्री भेजी जा रही है। राहत सामग्री में आवश्यक वस्तुएं जैसे भोजन सामग्री, कपड़े, पानी की बोतलें, दवाइयाँ, तिरपाल, कम्बल और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बड़े पैमाने पर भेजी गई है। इन्हें प्रभावित इलाकों में समय पर पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। हरियाणा से रवाना हो रहे राहत ट्रक सिर्फ़ सामग्री ही नहीं ले जा रहे हैं, वे यह संदेश भी दे रहे हैं कि पंजाब इस समय अकेला नहीं है। मुख्यमंत्री के आह्वान पर, पूरे हरियाणा में लोग सहायता के लिए आगे आए हैं। ग्रामीण, युवा समूह और स्वयंसेवी व धार्मिक संगठन अथक योगदान दे रहे हैं। हरियाणा की जनता लगातार सहयोग की भावना से इस राहत अभियान में योगदान दे रही है। प्रशासन के साथ मिलकर राहत सामग्री एकत्रित करने और भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरियाणा और पंजाब एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी, राहत और पुनर्वास कार्यों में हरियाणा करेगा पूर्ण सहयोग मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि हरियाणा और पंजाब न केवल पड़ोसी राज्य हैं, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी भी हैं।

सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली, **11 सितम्बर (निस)**
दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत को खारिज किया है, इसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी नागरिकता प्राप्त करने से पहले उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हुआ था। मामले में एक वकील द्वारा दायर याचिका को कोर्ट ने अस्वीकार किया, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

शिकायतकर्ता वकील ने दावा किया कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की, लेकिन उनके नाम को 1980 की दिल्ली मतदाता सूची में शामिल था। इस बात पर सवाल उठाया गया था कि जब सोनिया गांधी इटली की नागरिक थीं, तब उनका नाम 1980 में मतदाता सूची में कैसे शामिल हुआ। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटाया गया, लेकिन इसके पीछे का कारण भी स्पष्ट नहीं है। आरोप लगाया कि सोनिया गांधी का नाम नागरिकता प्राप्त करने से पहले मतदाता सूची में शामिल करना एक गंभीर अनियमितता का मामला है।

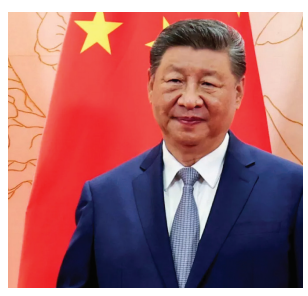

नेपाल में भड़की हिंसा पर चुप क्यों हैं ओली के परम मित्र चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग

नई दिल्ली, **11 सितम्बर (निस)** भारत का पड़ोसी देश नेपाल बीते तीन दिन से आंदोलन की आग में जल रहा है। सोशल मीडिया बैन, भ्रष्टाचार और नेपो किड्स के खिलाफ सोमवार से शुरू हुआ जेन ज़ी का प्रदर्शन अब राष्ट्रीय क्रांति में बदल चुका है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा है। प्रदर्शनकारियों ने पूरे काठमांडू पर कब्जा कर लिया है, सेना ने हिंसा और आगजनी पर काबू पाने के लिए देशभर में कर्फ्यू लगाया है। नेपाल के इस नागरिक विद्रोह से भारत सहित तमाम पड़ोसी देश चिंतित हैं, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम पर चीन की चुप्पी हैरान कर रही है। चीन को नेपाल का सबसे बड़ा रणनीतिक साझेदार बताया जाता है और ओली के कार्यकाल में दोनों देशों की बीच संबंध और गहरे हुए हैं। बीते साल जब ओली चौथी बार प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने परंपरा को तोड़कर भारत की बजाय पहला दौरा चीन का किया था। हाल में ओली ने बीजिंग का दौरा किया था। तब

राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी नजदीकियां साफ तौर पर देखी गईं। चीनी मीडिया ने नेपाल में भड़की हिंसा और ओली के इस्तीफे पर लिखा, ओली, बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के बाद किसी साउथ एशियाई देश के दूसरे इसतरह के नेता हैं जिन्होंने चीन दौरे के बाद देश में भड़की हिंसा के बीच अपना इस्तीफा दिया। इसतरह ओली को भी बीजिंग दौरे के बाद पीएम पद छोड़ना पड़ा है। अब ओली के भी देश छोड़कर दुबई भागने की अटकलें हैं, क्योंकि पीएम पद छोड़ने के बाद से वह अंडरग्राउंड हो गए हैं। नेपाली अखबार ने अपने हालिया संपादकीय में लिखा कि ओली ने भारत और पश्चिमी देशों से दूरी बना ली है और नेपाल को चीन के करीबी साझेदार के तौर पर पेश किया है। लेख में कहा गया कि रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर चलने के बावजूद ओली ने नेपाल को चीन के करीब ला दिया है। लेकिन अब ओली नेपाल के प्रधानमंत्री नहीं हैं और सत्ता में बदलाव को लेकर चीन सीधे तौर पर चिंतित है। नेपाल की ओली सरकार चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के ड्रीम प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशेटिव (बीआरआई) को बढ़ावा दे रही थी। बीते साल दिसंबर में चीन की यात्रा के दौरान ओली ने बीआरआई में शामिल होने वाले ड्राफ्ट पर साइन किए थे। ओली ने कहा था, जिनपिंग के साथ बहुत अहम बैठक से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इतने करीबी होने के बाद भी नेपाल में उपजे विद्रोह पर चीन की ओर से अबतक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जबकि भारत, अमेरिका के अलावा तमाम पश्चिमी देश अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं।

सम्पादकीय

नेपाल में सत्ता संघर्ष में हिंसा गलत

नेपाल बड़े राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। नेपाल का सत्ता संघर्ष, सरकार बदलने की निरंतरता और राजनीतिक दलों के बीच अविश्वास और सत्ता संघर्ष ने वहां लोकतंत्र को कमजोर कर दिया है। हाल ही में नेपाल में जिस तरीके से युवा सड़कों पर आ गए। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त युवा सोशल मीडिया को प्रतिबंधित कर देने की घटना से इतने उत्तेजित हो गए कि वह सड़कों पर उतरकर संसद भवन में घुस गए। संसद भवन,राष्ट्रपति भवन, तथा मंत्रियों के बंगलो को आग के हवाले कर दिया गया। नेपाल में कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस ने गोली चालान किया, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा युवा मारे गए। उसके बाद भी नेपाल की जन क्रांति को ?नियं?त्रित नहीं ?किया जा सका। नेपाल में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद, बेरोजगारी, महंगाई को लेकर इस कदर परेशान हो गई थी। वह राजनीतिक दलों के नेताओं एवं उनके परिवार जनों के खिलाफ सड़कों पर लड़ाई लड़कर अपने अ?धिकारों के ?लिये लड़ रही है। जिस ढंग से नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रियों को भागकर अज्ञातवास में जाना पड़ा। सेना को सत्ता सौंपने की बात नेपाल में होने लगी। देखते ही देखते एक झटके में नेपाल में सत्ता में परिवर्तन हो गया। इसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। नेपाल की जन क्रांति ने इतिहास की रूसी जन क्रांति की याद दिला दी। 1917 में जार शासन के खिलाफ जनता ने विद्रोह कर जार शासको को मारकर सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। रूस की जार क्रांति का नेतृत्व भीड़ कर रही थी। इस भीड़ का नेतृत्व लेनिन कर रहे थे। बाद में जनता ने उन्हें अपना नेता मान लिया। रूस की उस जन क्रांति के बाद रुस में कम्युनिस्ट विचारधारा की स्थापना हुई। सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले। दोनों ही घटनाओं में जनता ने अपने अ?स्तित्व को बचाने सत्ता के केंद्रीकरण और जनता के बीच के असंतोष की झलक समान रूप से दिखाई देती है। भुखा-प्यासा आदमी अपने जीवन को बचाने के लिये किसी भी स्तर पर जा सकता है। इस भीड़ के सामने पुलिस और सेना ज्यादा देर टिक नहीं पाती है। नेपाल का राजनीतिक परिदृश्य बीते दो दशकों से अस्थिरता से भरा है। राजशाही की समाप्ति के बाद से वहां लोकतंत्र मजबूत होने के बजाय दलगत स्वार्थ और गठबंधन की राजनीति और भ्रष्टाचार का शिकार होता चला गया। सत्ता के लिए बार-बार अनैतिक सत्ता प?रिवर्तन, नेताओं के निजी स्वार्थ हितों को सर्वोपरि रखना नेपाल में अराजकता का कारण बना। नेपाली नेताओं ने जनता के हितों की उपेक्षा की। जनता बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण परेशान होती रही। राजनेताओं ने जनता कि मूलभूत सुविधाओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। नेपाली नेता भ्रष्ट तरीके से कमाई कर रहे थे, अपने बच्चों को विदेश में पढ़ा रहे थे। उनके बच्चे और परिवार के लोग ऐश कर रहे थे, जनता भुखमरी और बदहाली का जीवन जी रही थी। रूस के जार शासन के समय जनता भूख से मर रही थी। शाही परिवार और उससे जुड़े हुए लोग एश्वर्य पूर्ण जीवन जी रहे थे, उसका प्रदर्शन कर रहे थे। भूख, गरीबी और शोषण ने जनता को सड़कों पर उतरने को मजबूर ?किया। वहां की जनता भूख से इतनी प्रताड़ित थी कि उसने राज परिवार के हर सदस्य को महल में घुसकर मार डाला। जार शासको की सेना उन्हें नहीं बचा पाई। वही स्थिति वर्तमान में नेपाल की है। जब सरकार मैं बैठे लोग अपने आप को सर्वशक्तिमान मान लेते हैं, तब इस तरह की जन क्रांति सामने आती है। श्रीलंका, बाग्लादेश और नेपाल में हुए जन विद्रोह मैं एक सी समानता है। सत्ता से जुड़े हुए लोग जब जनता की उपेक्षा करते हैं। अपने जीवन को बचाए रखने के लिए भीड़ सड़कों पर आती है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास घटता है। ऐसी स्थिति में असंतोष भीड़ तंत्र के रुप में देखने मिलता है। दुनिया के देशों को लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उन्हें श्रीलंका, नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सबक लेना होगा। लोकतांत्रिक देशों के नेताओं को चाहिए, वह दलगत हितों से ऊपर उठकर स्थिर शासन की ओर कदम बढ़ाएं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता ही सरकार बनाती है। नेपाल, श्रीलंका बांग्लादेश की सत्ता में बैठे हुए लोगों को जिस तरह से भीड़ ने उन्हें देश छोड़ने के लिए विवश किया है। इस तरह की घटनाओं से सभी देशों को सबक लेने की जरूरत है। वर्तमान युग में जब सारी दुनिया डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों के कारण एक दूसरे से जुड़ चुकी है। ऐसी स्थिति में आम जनता ?विशेष रुप से युवाओं को उपेक्षित करके नहीं रखा जा सकता है। रूस की जार क्रांति इतिहास में दर्ज है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल वर्तमान राजनीति एवं जन क्रांति की सच्चाई रेखांकित करती है। जब सत्ता निरंकुश और अहंकारी हो जाए तो ऐसी स्थिति में जन विद्रोह स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। नियम-कानून, सेना-पुलिस जन विद्रोह का मुकाबला नहीं कर सकती है।

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है। हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते।

सदैव स्मरणीय रहेगा स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण

- योगेश कुमार गोयल

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की 132वीं वर्षगांठ

युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्त्वि के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद को उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। सही मायनों में वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए तो भारतीय नवजागरण का अग्रदूत उनसे बढ़कर अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए सदैव युवा शक्ति पर भरोसा किया। दरअसल युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थी।

स्वामी विवेकानंद ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत 'मेरे अमेरिकी भाईयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। स्वामी विवेकानंद की चर्चा जब भी होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके उस ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। उसी ओजस्वी भाषण को यादगार बनाए रखने और युवाओं को उस भाषण के जरिये ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ही प्रतिवर्ष 11 सितम्बर का दिन 'शिकागो वक्तृता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई आगे नहीं बढ़ेगा।

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ''ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अत: एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष तथा महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।''युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी जी ने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात् 'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया। उनका कहना था कि अधिकांश लोग तो भेड़ों के झुंड के समान हैं। यदि आगे की एक भेड़ गड्ढे में गिरती है तो पीछे की सभी भेड़ें भी उसमें गिरती जाती हैं। इसी प्रकार समाज का मुखिया भी जब कोई बात कहता है तो दूसरे लोग भी उसका अनुकरण करने लगते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि वे कर क्या रहे हैं। जब मनुष्य को ये सांसारिक बातें निस्सार प्रतीत होने लगती हैं, तब वह सोचता है कि वह अपनी वृत्ति के हाथों का खिलौना बन चुका है और उस समय वह चाहता है कि खिलौना बनकर वह उसके बहकावे में न आए क्योंकि यह तो गुलामी है। स्वामी जी ने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसम्बर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। इसी रामकृष्ण मठ में 4 जुलाई 1902 को ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

आरएसएस के सौ साल : अभी बहुत कुछ किया जाना शेष

- राम पुनियानी

2 अक्टूबर 2025 को आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हो रहे हैं। आरएसएस हिन्दुत्ववादी राजनीति करता रहा है और उसका लक्ष्य है हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। जो शपथ उसके स्वयंसेवक लेते हैं, उसमें वे वायदा करते हैं कि वे हिंदू राष्ट्र के प्रति वफादार रहेंगे। आरएसएस ने तेजी से अपनी मूलभूत इकाई, शाखा की संख्या बढ़ाई है। इन शाखाओं में पहले युवा और लड़के और अब हर उम्र के लोग कबड्डी और खो-खो जैसे भारतीय खेल खेलते हैं। उन्हें विचारधारात्मक प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिसे शाखा बौद्धिक कहा जाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी विस्तृत और अलग-अलग अवधि का होता है। आरएसएस केवल पुरूषों का संगठन है और महिलाओं के लिए इसका एक सहायक संगठन है जिसका नाम राष्ट्र सेविका समिति है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि महिला संगठन के नाम से स्वयं शब्द गायब है। शाखाओं में दिए जाने वाले व्याख्यानों में छत्रपति शिवाजी महाराज और राणा प्रताप जैसे हिन्दू राजाओं का महिमामंडन किया जाता है। वहीं मुस्लिम राजाओं को क्रूर खलनायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें मुसलमानों के प्रति नफरत के बीज बोए जाते हैं। आरएसएस एक विशाल संगठन है जिसकी 83,000 शाखाएं, लाखों स्वयंसेवक और सैकड़ों प्रचारक हैं जिन्होंने समाज के नजरिए को बदल कर रख दिया है और मुसलमानों के प्रति, और पिछले कुछ दशकों में ईसाईयों के प्रति भी, गहरी नफरत पैदा कर दी है। आरएसएस के शताब्दी समारोहों की शुरूआत उसके सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत के दिल्ली के विज्ञान भवन में 26, 27 और 28 अगस्त 2025 को तीन व्याख्यानों की श्रृंखला से हुई। डॉ। भागवत का तीन अन्य महानगरों में भी इसी तरह व्याख्यान देने का कार्यक्रम है। दिल्ली में दिए गए तीन व्याख्यानों में उन्होंने मोदी और स्वयं के 75 वर्ष के होने पर पदत्याग के संबंध में बात की। उन्होंने ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया। वहीं दूसरी ओर उन्होंने दंपत्तियों का आव्हान किया कि वे तीन बच्चे पैदा करें क्योंकि जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है। संभवत: यह इस कपोलकल्पित भय को कम करने के उद्देश्य से कहा गया कि आगे चलकर देश में मुसलमानों का बहुमत हो जाएगा। इन व्याख्यानों का केन्द्रीय भाव था हिन्दुत्व को इस प्रकार परिभाषित करना ताकि इसमें मुसलमानों और ईसाईयों को भी सम्मिलित किया जा सके। हम देख रहे हैं कि समाज में मुसलमानों का हाशियाकरण होता जा रहा है और वे एक दायरे में सिमटते जा रहे हैं। साथ ही पिछले कुछ दशकों में इन दोनों समुदायों पर हमलों का अनवरत सिलसिला जारी है। हमलों की संख्या और गंभीरता दोनों बढ़ रही हैं। नई परिभाषा में धर्म का जिक्र किए बिना इस भूभाग पर रहने वाले हर व्यक्ति को हिन्दू कहा जा रहा है! आरएसएस प्रमुख कहते हैं कि ''।।हिन्दवी, भारतीय और सनातन पर्यायवाची शब्द हैं।।इन शब्दों का जो आशय है वह भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। पिछले 40,000 सालों से हमारा डीएनए वही रहा है''।

हिन्दू की परिभाषा विभिन्न कालखंडों में बदलती रही है। जहां हिंदू शब्द से शुरूआत में आशय था सिन्धु के पूर्व के इलाके में रहने वाले सभी लोग, वहीं धीरे-धीरे इस इलाके में प्रचलित समस्त धार्मिक परंपराओं जैसे ब्राम्हणवाद, नाथ, तंत्र, सिद्ध और आजीवक आदि सभी को सामूहिक रूप से एक ही धर्म हिन्दू में सम्मिलित किया जाने लगा। यह वर्गीकरण पिछले दो सौ वर्षों में सशक्त होता गया हालांकि अम्बेडकर का विचार था कि हिन्दुत्व में ब्राम्हणवाद ही प्रमुख परंपरा है। आज हिन्दू से आशय मुख्यत: एक धर्म से है हालांकि शुरूआत में यह एक भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों को दिया गया नाम था।हमें यह याद रखना चाहिए कि हिन्दुत्व में कई सम्प्रदाय सम्मिलित हैं। 'द्वि राष्ट्र सिद्धांत' के प्रतिपादक सावरकर अपनी पुस्तक 'एसेन्शियल्स ऑफ हिन्दुइज्म' में हिन्दू को इस तरह परिभाषित करते हैं- ''हिन्दू वह है जो सिन्धु से समुद्र तक फैले इस भूभाग को अपनी पितृभूमि और पुण्यभूमि मानता है।''बाद में 1990 में भाजपा के अध्यक्ष बने मुरली मनोहर जोशी ने सभी भारतीयों को हिन्दू बताते हुए मुसलमानों को अहमदिया हिन्दू और ईसाईयों को क्रिस्टी हिन्दू कहा। यह इन अल्पसंख्यक समुदायों पर हिन्दू पहचान लादने की शुरूआती कोशिश थी। अब भागवत इसी नजरिए को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि हिन्दवी, भारतीय और सनातन पर्यायवाची हैं। इन शब्दों का एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया गया है। सनातन का अर्थ है शाश्वत, हमेशा रहने वाला। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथ, अनुष्ठान और तीर्थस्थल मुसलमानों और ईसाईयों से भिन्न हैं। ईसाई और इस्लाम धर्म को मानने वाले अपने को 'हिन्दू' नहीं कहलाना चाहेंगे। अपने नजरिए पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भागवत हिन्दुओं को चार श्रेणियों में बांटते हैं जिसका उद्देश्य गैर-हिन्दुओं को हिन्दू धर्म के झंडे तले लाना है। वे कहते हैं, ''हिन्दुओं की चार श्रेणियां हैं - जो स्वयं को हिन्दू मानते हैं और इस बात पर गर्व करते हैं; जो स्वयं को हिन्दू मानते हैं किंतु इस बात से गौरवान्वित महसूस नहीं करते; जो यह जानते हैं कि वे हिन्दू हैं, मगर इस बात का जिक्र तक नहीं करते और चौथे वे जो स्वयं को हिन्दू नहीं मानते''। यह धूर्ततापूर्वक हिंदुओं की पहचान के विभिन्न पहलुओं को गैर-हिन्दुओं पर लादने का प्रयास है। व्यावहारिक दृष्टि से तो सावरकर की परिभाषा का ही बोलबाला है।हालांकि आरएसएस के विचारक यह दावा करते हैं कि हिन्दू धर्म सहिष्णु और समावेशी है, लेकिन हकीकत इससे बहुत अलग है। भागवत दंभपूर्ण लहजे में कहते हैं, ''हिन्दू वह है जो दूसरों की आस्थाओं को नीचा दिखाए बिना अपने मार्ग पर चलने में विश्वास रखता है और दूसरों की आस्था का अपमान नहीं करता। जो इस परंपरा और संस्कृति का पालन करते हैं, वे हिन्दू हैं''।

वृद्धाश्रम : भारतीय पारिवारिक संरचना पर बढ़ रहा गंभीर संकट

- देवेंद्र के. बुडाकोटी

उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के हर ज़िले में वृद्धाश्रम खोलने की हालिया घोषणा ने मुझे, एक समाजशास्त्री के रूप में, यह सोचने पर विवश किया कि क्या वास्तव में पहाड़ी समाज को वृद्धाश्रमों की आवश्यकता है? खासकर तब जब यहां परिवार का अर्थ केवल माता-पिता और बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक विस्तृत रिश्तों की जड़ से जुड़ी व्यवस्था है। यदि सरकार वाकई बुजुर्गों के हित में काम करना चाहती है, तो वह नागरिक समाज संगठनों को वृद्धाश्रमों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित कर सकती है और उनके संचालन में सहायता कर सकती है। अधिकांश बुजुर्ग जो वृद्धाश्रमों में रहते हैं, वे आर्थिक और मानसिक रूप से सक्षम होते हैं और निजी संस्थानों द्वारा दी जा रही सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। सरकार को वृद्धाश्रम नहीं, बल्कि निराश्रितों के लिए आश्रय गृह स्थापित करने चाहिए।

सार्वजनिक नीति अक्सर तब बनती है जब नागरिक समाज किसी मुद्दे को लंबे समय तक उठाता है और उसे जनचर्चा का विषय बनाता है। निराश्रितों, विकलांगों या पीड़ित महिलाओं के लिए आश्रय गृह समझ में आते हैं, लेकिन मानसिक और आर्थिक रूप से सक्षम बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम एक अस्वाभाविक कदम प्रतीत होता है, खासकर भारतीय समाज की पारिवारिक परंपराओं को देखते हुए।

भारतीय पारिवारिक व्यवस्था गहराई से जुड़ी हुई है, और यही इसकी सामाजिक स्थिरता का आधार है। पाश्चात्य विद्वानों ने भारतीय परिवारों को ग्राम समुदाय, संयुक्त परिवार, विस्तारित परिवार और आधुनिक काल में विकसित हुए एकल (न्यूक्लियर) परिवार के रूप में वर्गीकृत किया है। किंतु भारत में, चाहे परिवार किसी भी प्रकार का हो, बुजुर्ग सदस्यों को अक्सर परिवार का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। एक उदाहरण देखें—जब किसी बेटी की विदाई विवाह के बाद होती है, तो केवल उसके माता-पिता ही नहीं, बल्कि पूरे गांव और मोहल्ले के लोग भावुक होकर रो पड़ते हैं। यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि भावनात्मक और पारिवारिक संबंधों की गहराई को दर्शाता है। भारत में रिश्तों की एक जटिल और मजबूत प्रणाली है, जहां बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना संतानें करती हैं। यदि कहीं किसी बुजुर्ग की उपेक्षा या दुर्व्यवहार होता है, तो वह खबर बनती है और स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो जाता है। पश्चिमी समाजों में अधिकतर परिवार एकल होते हैं, और वहां वृद्धाश्रम जाना एक सामान्य बात है। वे शायद यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि कोई बेटा अपने माता-पिता, पत्नी, बच्चों के साथ-साथ अपने चाचा (जिनके अपने सफल बेटे और बहुएं हैं) को भी साथ रखे। लेकिन भारत में यह सामान्य है।

यहां परिवार सिर्फ खून के रिश्तों तक सीमित नहीं है। पड़ोसी भी रिश्तेदार बन जाते हैं। राखी भाई, राखी बहन, भाभी, भाई साहब जैसे संबोधन केवल सामाजिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि भावनात्मक संबंध हैं। यहां तक कि दोस्तों के जीवनसाथी भी परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। विवाह का अधिकांश हिस्सा आज भी पारंपरिक रूप से तय होता है, जिससे रिश्तों की यह श्रृंखला बनी रहती है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और शिक्षा या रोजगार के लिए पलायन ने एकल परिवारों की संख्या में वृद्धि की है। यही कारण है कि शहरी क्षेत्रों में वृद्धाश्रम उभरने लगे हैं। लेकिन पारिवारिक मूल्यों की जड़ें अब भी गहरी हैं। कई परिवार भले ही भौगोलिक रूप से अलग रहते हों, लेकिन भावनात्मक रूप से वे जुड़े रहते हैं। एक ऐसा समाज जो अपने बुजुर्गों की देखभाल नहीं कर सकता, धीरे-धीरे नैतिक और सामाजिक पतन की ओर बढ़ता है। यदि हम केवल संस्थागत सुविधा को अपनाते हुए भावनात्मक जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेंगे, तो हम एक दिशाहीन और विघटित समाज की ओर अग्रसर होंगे।

(लेखक समाजशास्त्री हैं और चार दशकों से विकास क्षेत्र में कार्यरत हैं।)

एक गांव की खराबी, बीस गांवों की परेशानी

फीडर चेंज की मांग को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

रायपुररानी, 11 सितंबर (देवेन्द्र सिंह) : रायपुररानी क्षेत्र के ग्रामीणों की बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर भाजपा नेता अमित सैनी ने हरियाणा के बिजली मंत्री अनिल विज को एक लिखित ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में उन्होंने फीडर चेंज करवाने की तत्काल मांग उठाई है। ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में गढ़ी कोटाहा, सुल्तानपुर, रेहना, देबड़, मसुमपुर सहित लगभग 20 गांव एक ही फीडर से जुड़े हुए हैं।

परिणामस्वरूप जब किसी एक गांव में बिजली आपूर्ति में खराबी आती है, तो इसका असर सभी गांवों पर पड़ता है और पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। अमित सैनी ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन आज तक इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने बिजली मंत्री से अनुरोध किया है कि गढ़ी कोटाहा, सुल्तानपुर, रेहना, देबड़, मसुमपुर जैसे गांवों के लिए अलग फीडर की व्यवस्था की जाए, जिससे कि बिजली आपूर्ति स्थिर और निर्बाध रह सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की लाडवा विधानसभा को अच्छा बनाने और अच्छा दिखाने में मीडिया का महत्वपूर्ण रोल : कैलाश सैनी

लाडवा, 11 सितंबर (राम गोपाल) : मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि पूरे प्रदेश की निगाहें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विधानसभा लाडवा पर है। विधानसभा लाडवा को अच्छा बनाने और अच्छा दिखाने में मीडिया का महत्वपूर्ण रोल है। मीडिया के साथी समस्याओं को हमारे संज्ञान में लाएं, ताकि उनको समय रहते दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों पर लाडवा विधानसभा के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों करोड़ों रुपए के अनेकों काम चले हुए हैं, जिनके पूरा होने पर बहुत अधिक समस्याओं का समाधान हो जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी वीरवार को अनाज मंडी धर्मशाला लाडवा के सभागार में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उनके साथ मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी भी मौजूद रहे। उन्होंने पत्रकारों से लाडवा विधानसभा की समस्याओं, दिक्कतों और परेशानियों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मीडिया प्रजातंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो कमियों और खामियों को उजागर करके उन्हें दूर करने में सरकार का सहयोग कर रहे हैं। जो भी समस्याएं किसी भी प्लेटफार्म से उनके सामने आती है, उनको मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संज्ञान में डालकर समाधान करवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था प्रबन्धन व जन भागीदारी के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विधानसभा लाडवा को स्वच्छता रैंकिंग में नम्बर वन बनाना है। इस कार्य में चौथा स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया कर्मी भी अपनी भूमिका को अदा करें। उन्होंने आह्वान किया कि लाडवावासी स्वच्छ लाडवा थीम के साथ स्वच्छ, शुद्ध व स्वस्थ लाडवा बनाने में योगदान दें। मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी ने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने पत्रकारों के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाई हुई हैं। मीडिया कर्मियों के लिए एग्रीडेशन योजना, पत्रकार पेंशन योजना, सोशल मीडिया इम्पैनलमेंट सहित कई स्कीमें शामिल हैं। पत्रकार बंधु इन योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी पत्रकार किसी भी समय किसी भी काम को लेकर उनसे सीधे बातचीत कर सकता है। इस मौके पर सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी केदार शर्मा, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह केअलावा लाडवा, बाबैन और पिपली के पत्रकार, छायाकार मौजूद रहे।

लोक अदालत के नाम पर साइबर ठगी का नया जाल, एसपी की चेतावनी- फर्जी लिंक से रहें सावधान

फतेहाबाद, 11 सितंबर (अमन सेठी) : जैसे-जैसे 13 सितंबर को आयोजित होने वाली लोक अदालत की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं। ये ठग लोक अदालत की आड़ में फर्जी लिंक भेजकर लोगों से उनकी संवेदनशील जानकारी चुराने की कोशिश कर रहे हैं। इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए फतेहाबाद के *पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस* ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की है। एसपी सिद्धांत जैन के अनुसार, साइबर अपराधी ईमेल, एसएमएस और व्हाट्सएप जैसे माध्यमों से ऐसे लिंक भेज रहे हैं जो देखने में सरकारी प्रतीत होते हैं, लेकिन इनका उद्देश्य केवल एक है — लोगों से उनकी बैंक डिटेल, पासवर्ड, ओटीपी और अन्य व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करना। उन्होंने कहा, इन फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही आपकी संवेदनशील

जानकारी अपराधियों के पास पहुँच सकती है, जिससे आपका आर्थिक नुकसान हो सकता है। पुलिस ने नागरिकों को सतर्क करते हुए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए हैं। पहला, किसी भी ईमेल, एसएमएस या व्हाट्सएप लिंक पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड, ओटीपी या बैंक विवरण साझा न करें। दूसरा, लोक अदालत से संबंधित जानकारी केवल सरकारी पोर्टल या अधिकृत वेबसाइट से ही प्राप्त करें। तीसरा, यदि कोई संदिग्ध लिंक या मैसेज प्राप्त हो, तो तुरंत निकटतम थाना या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। और चौथा, किसी भी साइबर धोखाधड़ी के प्रयास की तत्काल रिपोर्ट करें, ताकि अन्य लोग भी सतर्क रह सकें। एसपी जैन ने नागरिकों से विशेष अपील की है कि वे स्वयं तो सतर्क रहें ही, साथ ही इस तरह की जानकारी अपने परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों के साथ भी साझा करें, ताकि कोई भी व्यक्ति इन फर्जी लिंक के जाल में न फंसे। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लोक अदालत जैसी संवेदनशील प्रक्रिया का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में केवल आपकी सतर्कता ही आपको सुरक्षित रख सकती है। पुलिस का संदेश स्पष्ट है — कोई भी लिंक क्लिक करने से पहले सोचें, उसे अच्छी तरह जांचें और पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद ही आगे बढ़ें। आज की डिजिटल दुनिया में एक गलत क्लिक भी आपको साइबर ठगी का शिकार बना सकता है। याद रखें — सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

भनी खुर्द के मयंक ने जीता गोल्ड मेडल

असंध, 11 सितंबर (दलसिह मान) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भनी खुर्द के छात्र मयंक ने 18 किलो भार वर्ग में ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक जीता । फतेहाबाद में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भणी खुर्द के मयक ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है । स्वर्ण पदक लेकर स्कूल पहुंचे मयंक का स्कूल पहुंचने पर प्रिंसिपल गीता नरवाल ने उन्हें गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि छठी कक्षा की छात्र प्राची भी ताइक्वांडो में जिला स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुकी है। प्राची 15 सितंबर को प्रदेश स्तरीय प्रतिस्पर्धा मैं भाग लेगी। स्कूल स्टाफ ने दोनों खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रिंसिपल गीता नरवाल, शास्त्री राजेश मान, कृष्ण, कपिल, सोनू, पवन, बलवान,दिनेश, अनिल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लायंस क्लब कैथल सेंट्रल का समाज सेवा की ओर एक और कदम

कैथल, 11 सितंबर (प्रवेश बहादुर) : लायंस क्लब कैथल सेंट्रल द्वारा विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को सामाजिक जागरूकता प्रदान करने हेतु विशेष सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। इन सेमिनारों के प्रमुख विषय इस प्रकार है, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, क्वारतन में विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को उपरोक्त विषयों पर विस्तार से जागरूक किया गया तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। कल दिनांक 12 सितंबर (शुक्रवार), प्रात: 9:00 बजे, आरोही सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ग्योंग में भी इसी प्रकार का सेमिनार आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चों और अध्यापकों को सामाजिक जागरूकता के लिए प्रेरित किया जाएगा। हम सभी लायन सदस्यों एवं समाज के जागरूक नागरिकों से विनम्र निवेदन करते हैं कि वे इस सेवा कार्य से जुड़े संदेशों को अपने सभी ग्रुप्स में साझा करें और समाज सेवा की इस मुहिम में सहभागी बनें।

राज्य स्तरीय कराटे खेल महाकुंभ 2025 के लिए चयन ट्रायल 16 सितंबर को द्रोणाचार्य स्टेडियम में

कुरुक्षेत्र, 11 सिंतबर (सुदेश कुमार) : जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल महाकुंभ 2025 में कराटे खेल को शामिल किया है। इस खेल महाकुंभ को लेकर सीनियर वर्ग में लडके व लड़कियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय कराटे खेल महाकुंभ 2025 में व्यक्तिगत कुमति कराटे 60 किलोग्राम, 67,75 व 84 इससे अधिक भार के लिए टीम का चयन किया जाना है। इसी तरह लडक़ों के व्यक्तिगत कुमति खेल के लिए 50 किलोग्राम वर्ग , 55, 61, 86 किलोग्राम व इससे ज्यादा किलोग्राम वर्ग की टीम का चयन होना है। इसके अलावा एक प्लेयर काटा व्यक्तिगत लडक़ों व एक खिलाड़ी लडक़ी के वर्ग का होगा। इन खिलाड़ियों का जिला स्तर पर चयन ट्रॉयल 16 सितंबर 2025 को द्रोणाचार्य स्टेडियम में होगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक खिलाड़ी अपने साथ आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र मूल रूप में व छाया प्रति तथा पासपोर्ट साइज फोटो लेकर द्रोणाचार्य स्टेडियम में 16 सितंबर को पहुंचेंगे।

गांववासियों को बुखार से बचने के लिए किया जागरूक

मूनक, 11 सितंबर (जय भगवान) : सी.एच. सी.पाढ़ा के गांव भाम्बरहेडी व पक्काखेड़ा मे स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा व आशा वर्करो ने गांव के घरों में जाकर बुखार से बचने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बारिश के दिन होने के कारण घरों के आसपास पानी खड़ा हो जाता है। जिसमें अनेक प्रकार की बीमारी फैलाने वाले मच्छर पैदा हो जाते हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेल्वे अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई–नीलामी रेल्वे वेब साइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है।

क्र सं.	नीलामी कैटलॉग सं.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
1	UMB-Parkg-15-25	बठिंडा रेलवे स्टेशन द्वितीय प्रवेश द्वार पर 480 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्थल (साइट प्लान के अनुसार) ।	16.09.2025 12:00
2	UMB-Parkg-16-25	राजपुरा रेलवे स्टेशन पर कुल क्षेत्रफल 1808.23 वर्ग मीटर (1514.23 वर्ग मीटर + 294 वर्ग मीटर) का व्यापक पार्किंग स्थल।	18.09.2025 12:00
3	UMB-Mix-24-25	बरवाला रेलवे स्टेशन के परिचालित क्षेत्र में कुल 300.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का व्यापक पार्किंग स्थल।	19.09.2025 12:00

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2764/25

हरियाणा विधानसभा विषय समिति ने भगत फूल सिंह महिला मेडिकल कॉलेज का किया दौरा

सोनीपत, 11 सितंबर (विनोद) : हरियाणा विधानसभा की स्वास्थ्य एवं शिक्षा विषय समिति ने गुरुवार को सोनीपत के खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह (बीपीएस) महिला मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। समिति के चेयरमैन रामकुमार कश्यप के नेतृत्व में पहुंचे सदस्यों ने संस्थान के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की तथा विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई और सुधार के लिए समयबद्ध निर्देश जारी किए गए। प्रात:11 बजे पीजीआई परिसर में पहुंची समिति ने सबसे पहले कॉन्फ्रेंस हॉल में अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में मरीजों एवं विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही सभी सुविधाओं की समीक्षा की गई। पीजीआई के निदेशक डॉ. जेसी दुरेजा ने समिति के समक्ष संस्थान की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की। चर्चा के दौरान सेंट्रल एसी व्यवस्था को लेकर समिति सदस्यों ने सवाल उठाए। निदेशक ने स्पष्ट किया कि बेसमेंट में स्थित होने के कारण सेंट्रल एसी प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रहा है, जिसके चलते अस्थायी एसी की व्यवस्था की गई है। चेयरमैन रामकुमार कश्यप ने सदस्यों की सहमति से इसकी जांच के आदेश दिए तथा छह माह के भीतर पूर्ण व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। बैठक के बाद समिति ने ओपीडी काउंटर, ऑपरेशन थिएटर, लैब, क्लासरूम एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। कार्डियो एवं न्यूरो सर्जन पदों की रिक्तता पर रिपोर्ट मांगी गई। निदेशक ने बताया कि बार-बार विज्ञापनों के बावजूद योग्य चिकित्सकों की कमी बनी हुई है, जिससे मरीजों को रोहतक रेफर करना पड़ रहा है। हालांकि, रेफरल दर काफी कम है। इसके अलावा, बिजली की समस्या (अंडरग्राउंड तारों में शॉर्ट सर्किट), सडक़, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज एवं अन्य रखरखाव मुद्दों पर भी चर्चा हुई। समिति अध्यक्ष एवं सदस्यों ने रोहतक मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर यहां इंजीनियरिंग विंग स्थापित करने का सुझाव दिया। मेडिकल एजुकेशन विभाग के निदेशक यशेंद्र सिंह ने बताया कि सभी मेडिकल कॉलेजों में इंजीनियरिंग विंग गठित करने हेतु पीडब्ल्यूडी विभाग से बातचीत चल रही है तथा शीघ्र ही इसका समाधान हो जाएगा। इंजीनियरिंग अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कॉलेज परिसर में ही आवास उपलब्ध करवाए जाएंगे। निदेशक ने संस्थान की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में दैनिक ओपीडी 2300 मरीजों को पार कर चुकी है तथा आईपीडी में 80 तक पहुंच गई है। इस वर्ष 17,200 सर्जरी एवं 3,500 डिलीवरी हो चुकी हैं। एक्स-रे सहित सभी जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा प्रतिदिन 30 एमआरआई हो रही हैं। 90 प्रतिशत दवाएं संस्थान में उपलब्ध हैं। समिति ने बिजली, सीवर, स्टॉर्म वॉटर, स्टाफ क्वार्टरों में सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए एक सप्ताह से छह माह तक की समयसीमा निर्धारित की। साथ ही, गोहाना से गन्नौर होते हुए खानपुर कलां मार्ग को शीघ्र निर्माण पूरा करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दिए गए। यह दौरा स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समिति की सिफारिशें राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जाएंगी। उन्होंने कहा कि बजट को लेकर भी कई काम समय-समय पर अटक जाते हैं इसको लेकर के भी सरकार को सिफारिश की जाएगी की समय पर मेडिकल कॉलेज को बजट उपलब्ध करवाया जाए। इस मौके पर समिति के सदस्य विधायक इंदुराज नरवाल, विधायक रेनू बाला, विधायक रणधीर पनिहार, विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री, विधायक कृष्ण कुमार, विधायक हरिंदर सिंह, विधायक बलराम डांगी, विधायक देवेंद्र हंस, हरियाणा विधानसभा के अतिरिक्त सचिव नरीन दत्त, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के निदेशक यशेन्द्र सिंह, अतिरिक्त निदेशक विजय मलिक, एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय तथा नगराधीश डॉ0 अनमोल सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

करनाल कांग्रेस का संगठन प्रदेश मे सबसे मजबूत संगठन बन कर उभरेगा : राजेश वैध वाल्मीकि

– 11 साल में पहली बार हुई करनाल कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक, संगठन को मजबूत करने का सभी कांग्रेसियों ने लिया संकल्प

निसिंग, 11 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : करनाल कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता व नेता जल्द ही जिले के हर गाँव मे बूथ तक जाकर मजबूत साथियों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे और सब साथी एकजुट होकर पार्टी के लिये मिल कर काम करेंगे, उक्त विचार जिला करनाल कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष राजेश वैध ने कांग्रेस कार्यालय पर 11 साल मे पहली बार आयोजित की गई प्रथम मासिक बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए द्य वैध ने कहा की करनाल कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक 11 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पहली बार आयोजित की गई। इस ऐतिहासिक बैठक में जिले के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा करना रहा। बैठक को पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी, पूर्व राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र राठौर, राजेश चौधरी, नवजोत कश्यप,अमरजीत धीमान इंद्रजीत गौराया, एडवोकेट साहब सिंह,युवा जिला प्रधान रजत

लाठर समेत अनेकों साथियों ने संबोधित किया।बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजेश वैध ने की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब एक नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ जनसरोकार के मुद्दों को उठाएगी और जनता के बीच अपनी सक्रियता को और बढ़ाएगी।

इस अवसर पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पार्टी को मजबूती प्रदान करने और जनता के हितों की रक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।बैठक में आगामी पंचायत, नगर निगम और विधानसभा चुनावों को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, युवाओं और महिलाओं को संगठन में अधिक भागीदारी देने पर भी विशेष जोर दिया गया।बैठक में संजय मेहला पूर्व चेयरमैन जिला परिषद, सुनील कौशिक पूर्व जिला परिषद सदस्य,सतीश राणा, प्रदीप राणा, रामफल कमालपुर, जिला परिषद सदस्य, रजत लाठर युवा कांग्रेस जिला प्रधान, हरपाल सिंह राणा, सोनी शर्मा कुटेल, कृष्ण सरपंच, बसंत राणा, सर्वजीत सिंह, नरेश शर्मा, वेद त्यागी, सचिन बुढ़नपुर (पार्षद), अमित बराना (जिला पार्षद), हरपल सिंह राणा, सुखदेव शर्मा , सुरेश सरपंच सोलो, सुभाष सरपंच प्रेमखेड़ा, अंग्रेज सिंह (पूर्व सरपंच), शशि वत्स, किरणपाल घिड, जोगिंद्र नंबरदार, इंद्रपाल सिंह,चेत राम समेत सेंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे? बैठक में सभी ने मिलकर यह संकल्प भी लिया की आने वाले समय में करनाल कांग्रेस को एक मजबूत, सक्रिय और जनता के लिए संघर्षरत संगठन के रूप में पुन: स्थापित किया जाएगा।

जनता की समस्याओं का समाधान समय पर

कुरुक्षेत्र, 11 सितंबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है, ताकि जनता का प्रशासन पर भरोसा और ज्यादा मजबूत हो। उन्होंने कहा कि लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि इस समाधान शिविर के लिए प्रशासकीय अधिकारियों का बकायदा शेड्यूल बनाया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा

खुली निविदा संख्या 29–अम्बाला / 2025–26 दिनांक 11.09.2025

वरिष्ठ मंडल अभियंता-समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	अंबाला डिवीजन में सी एंड डब्ल्यू डिपो, सीडीजी में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार।	74,46,663	1,48,900	04 महीने	06.10.2025
2	(i) एडीईएन/एसआईआर के अधिकार क्षेत्र में एलएचएस पहुंच मार्गो, लेवल क्रॉसिंग, बैलास्टेड पुलों आदि पर ट्रैक की व्यवस्थित ओवरहालिंग, जिसमें रेल नवीनीकरण, बैलास्ट कुशन को ऊपर उठाना, चेक रेल को बदलना और अन्य सहायक कार्य शामिल हैं। (ii) एडीईएन / एसआईआर के अधिकार क्षेत्र में पुल संख्या 209, 128, 131, 178, 313 का मेटलाइजिंग और पेंटिंग के साथ–साथ पुल की विविध मरम्मत ।	1,78,83,522	2,39,400	08 महीने	06.10.2025
3	एडीईएन / एसआईआर के अंतर्गत एसआईआर, एमआरएनडी, केआरएलआई, एनएलडीएम में टाइप–ii, iii, iv क्वार्टर की जैक आर्च छत की मरम्मत।	2,80,25,091	2,90,100	08 महीने	06.10.2025
4.	एडीईएन / आरपीजे के अंतर्गत एसएसई / वर्क्स / आरपीजे अनुभाग में आरपीजे, केएनएन में टाइप–ii, iii, iv क्वार्टर की जैक आर्च छत की मरम्मत।	1,87,02,966	2,43,500	08 महीने	06.10.2025

नोट :– 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट **IREPS** पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग / गेटवे पेमेंट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास– I I I) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

2775/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आदर्श स्कूल नरवाना के खिलाड़ियों ने तोड़ा 7 साल पुराना रिकॉर्ड, हरियाणा को दिलाई ओवरऑल ट्रॉफी

नरवाना, 11 सितंबर (नरेन्द्र सिंहमार) : फरीदाबाद में 8 से 10 सितम्बर तक आयोजित हरियाणा राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में नरवाना के आदर्श बाल मंदिर उच्च विद्यालय के खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिलाड़ियों ने 7 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए ओवरऑल ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया और हरियाणा को गौरवान्वित किया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया, लेकिन नरवाना के छात्रों ने अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। कक्षा 9वीं के छात्र दीपक पुत्र कैलाश (अंडर-17 वर्ग) ने गोल्ड मेडल जीतते हुए SGFI (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) में स्थान पक्का किया। वहीं कक्षा 10वीं के छात्र आदित्य पुत्र बलबीर ने अपने उत्कृष्ट

प्रदर्शन से 7 वर्षों से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा और टीम के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जब विजेता खिलाड़ी नरवाना रेलवे स्टेशन पहुंचे तो विद्यालय परिवार ने उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। पूरे क्षेत्र में इस उपलब्धि को लेकर गर्व और हर्ष का माहौल है।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष कृष्ण, प्रबंधक दिनेश कोषाध्यक्ष नरेंद्र ग्रोवर एवं समस्त समिति सदस्यों ने विजयी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं व बधाई दी। प्रधानाचार्य जोगिंद्र सिंह ने खिलाड़ियों को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शुभकामनाएं दीं और खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा यह विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है, हमें उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी SGFI में भी ऐसा ही प्रदर्शन जारी रखेंगे। शारीरिक शिक्षक मदन व कोच को भी इस ऐतिहासिक सफलता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा

हिंदू धर्म में पूर्वजों की सेवा एवं स्मृति है श्राद्ध पर्व

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन से ही श्राद्ध पक्ष शुरू हो गया है। पितरों का आशीर्वाद हम पर बना रहे इसलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए हर साल श्राद्ध करते हैं। उनके आशीर्वाद से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

इतने होते हैं श्राद्ध

निर्णय सिंधु और भविष्य में पुराण में श्राद्ध के 12 प्रकारों का वर्णन मिलता है। ये हैं नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि, सपिंडन, पार्वण, गोष्ठी, शुद्धयर्थ, कर्मांग, तीर्थ, यात्रार्थ, पुष्ट्यर्थ।

पितरों के प्रसन्न करने के लिए करें यह श्राद्ध

नित्य श्राद्ध- कोई भी व्यक्ति अन्न, जल, दूध, कुश, फूल व फल से हर रोज श्राद्ध करके हर रोज पितरों को प्रसन्न कर सकता है।

नैमित्तिक श्राद्ध- यह श्राद्ध विशेष अवसर पर किया जाता है। जैसे- पिता आदि की मृत्यु तिथि के दिन इसे एकोदिष्ट कहा जाता है।

काम्य श्राद्ध- इस श्राद्ध को किसी कामना विशेष, सिद्धि की प्राप्ति के लिए किया जाता है।

वृद्धि श्राद्ध- इस श्राद्ध को सौभाग्य प्राप्ति के लिए किया जाता है। इसमें वृद्धि की कामना के लिए किया जाता है।

सपिंडन श्राद्ध- इस श्राद्ध को मृत व्यक्ति के 12वें दिन पितरों से मिलने के लिए किया जाता है। इसे स्त्रियां भी कर सकती हैं।

पार्वण श्राद्ध- पिता, दादा, परदादा और दादी, परदादी के निमित्त किया जाता है। इसे पर्व की तिथि पर ही किया जाता है।

समूह में किया जाता है यह श्राद्ध

गोष्ठी श्राद्ध- इस श्राद्ध को परिवार के सभी लोग मिलकर करते हैं। यह श्राद्ध हमेशा समूह में किया जाता है।

शुद्धयर्थ श्राद्ध- परिवार की शुद्धता के लिए शुद्धयर्थ श्राद्ध किया जाता है। कर्मांग श्राद्ध- यह श्राद्ध को किसी संस्कार के अवसर पर ही किया जाता है। कर्मांग का अर्थ कर्म के अंग से होता है।

यात्रा के लिए करते हैं यह श्राद्ध

तीर्थ श्राद्ध- यह श्राद्ध हमेशा तीर्थ पर ही किया जाता है।

यात्रार्थ श्राद्ध- यात्रा की सफलता के लिए यात्रार्थ श्राद्ध किया जाता है।

पुष्ट्यर्थ श्राद्ध- आर्थिक उन्नति में बढ़ोतरी, अच्छे स्वास्थ्य के लिए पुष्टि के निमित्त जो श्राद्ध किए जाते हैं वे पुष्ट्यर्थ श्राद्ध कहलाते हैं।

अमावस्या को किया जाता है इनका श्राद्ध

जिन लोगों की मृत्यु के दिन की सही-सही जानकारी न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या तिथि को करना चाहिए। सांप काटने से मृत्यु और बीमारी में या अकाल मृत्यु होने पर भी अमावस्या तिथि को श्राद्ध किया जाता है। जिनकी आग से मृत्यु हुई हो या जिनका अंतिम संस्कार न किया जा सका हो, उनका श्राद्ध भी अमावस्या को करते हैं।

कर्ज से बचने करें ये काम

पूरे दिन जाने-अनजाने हमसे ऐसे कई कार्य हो जाते हैं, जिनके प्रभाव के बारे में बाद में पता चलता है। शास्त्रों में बताया गया है कि सही समय पर सही कार्य करने से ना सिर्फ भगवान की कृपा मिलती है बल्कि आपकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होती है। वहीं कुछ काम ऐसे हैं, जिन्हें भूलकर भी सुबह और शाम के समय नहीं करना चाहिए। इन्हें करने से पैसा और तरक्की दोनों का नाश होता है। यहां जानिए, सुबह शाम कौन से कार्य नहीं करने चाहिए-

नाराज हो जाती हैं मां लक्ष्मी

तुलसी के पत्तों को भूलकर भी शाम के समय नहीं तोड़ना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। पूजा के लिए सुबह ही पत्ते तोड़कर रख लें। शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ने से आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है।

दरिद्रता का होता है वास

शास्त्रों के अनुसार, शाम के समय घर की साफ-सफाई नहीं करनी चाहिए। भूलकर भी घर का कूड़ा शाम को बाहर नहीं फेकना चाहिए। ऐसा करने से सकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाएगी। साथ ही घर में दरिद्रता का वास होने से आप पर कर्ज बढ़ सकता है।

भगवान की नहीं होती कृपा

शाम के समय कभी भी नहीं सोना चाहिए, ऐसा करने से पाप लगता है। सुबह और शाम का समय पूजा-ध्यान करने का है। जो लोग इस समय सोते हैं, उन पर भगवान की कृपा नहीं रहती है। हां, बीमार लोग और बच्चे इस नियम से बाहर होते हैं।

इस दिन करें धन का लेन-देन

धन से संबंधित कोई भी कार्य करना हो तो आप सोमवार या बुधवार को करें। इन दिनों में किया गया धन का लेन-देने फायदेमंद माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से कर्जा धीरे-धीरे खत्म होने लगता है।

इस दिन करें व्रत

लक्ष्मी माता को प्रसन्न करने के लिए सुहागिन महिलाओं को गुरुवार का व्रत करने से लाभ होता है। इस दिन किसी गरीब महिला को सुहाग की सामग्री दान देने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। ऐसा करने से आपके जीवन की सभी समस्याएं धीरे-धीरे खत्म होने लग जाएंगी।

इससे निशान न बनने दें

घर की दीवारों या फर्श पर पेंसिल या चॉक आदि का निशान न बनाने दें। ऐसा माना जाता है कि दीवार और फर्श पर बनी ये रेखाएं घर में नकारात्मकता को बढ़ाती है, जिससे आर्थिक तरक्की बाधित होती है और कर्ज बढ़ने की संभावना रहती है।

रूठ जाती है लक्ष्मी

घर में सुबह की गतिविधियों की शुरुआत झाड़ू लगाने के बाद ही करनी चाहिए। जैसे, पूजा करना, नाश्ता करना। घर में झाड़ू लगा देने से रातभर की नकारात्मक ऊर्जा घर से बाहर चली जाती है। घर में ताजगी का माहौल बनता है, जिससे परिवार के लोग उर्जावान रहते हैं और हर तरह की तरक्की के लिए ऊर्जा ही तो चाहिए।

पित्तरों के आशीर्वाद से जीवन में किसी चीज की कमी नहीं रहती

पितरों के आशीर्वाद से जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं रहती है। घर के बड़े-बुजुर्ग सिर्फ मान-सम्मान चाहते हैं, इनको कभी नहीं भूलना चाहिए। जैसे प्यार पर घर के छोटों का अधिकार होता है वैसे ही पूर्वज सम्मान के अधिकारी होते हैं। खुश होकर ये दिल से अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं लेकिन पितृ जब नाराज हो जाते हैं तो बसा हुआ संसार उजड़ जाता है। पितर उस स्थिति में नाराज होते हैं, जब घर के किसी मांगलिक कार्यक्रम में, किसी शुभ कार्य में उन्हें याद नहीं करते, उनकी अनदेखी करते हैं।

मान-प्रतिष्ठा का अभाव- पितरों की नाराजगी से व्यक्ति को मान-प्रतिष्ठा के अभाव का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों को पग-पग पर समस्याओं से जूझना पड़ता है।

धन का अभाव-पितृदोष होने के कारण धन का अभाव रहता है। व्यक्ति को किसी भी तरह की मदद नहीं मिल पाती। जमा धन बर्बाद हो जाता है। फिजूल खर्ची को वह रोक नहीं पाता है। साथ ही लाख कोशिश के बाद भी कर्ज कभी नहीं उतार पाता।

घर-परिवार में अशांति-पितरों के नाराज होने से घर-परिवार में किसी न किसी कारण झगड़ा होता है। परिवार के सदस्यों में मनमुटाव बना रहता है। घर में अशांति का वातावरण बना रहता है। घर के सदस्यों की शादी में कई प्रकार की समस्याएं आती हैं।

संतान की ओर से कष्ट--पितृदोष के कारण संतान की ओर से कष्ट मिलता है। उनके यहां संतान होने में परेशानी आती है। संतान का स्वास्थ्य खराब रहने या संतान का बुरी संगति में फंसने से परेशानी झेलना होती है।

कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाना--पितृदोष जब होता है तो जाने-अनजाने ऐसी गलती कर बैठते हैं, जिसके कारण कोर्ट-कचहरी का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन की वजह से कोई समस्या हो सकती है, जिससे लंबे समय तक मामला उलझा रहता है।

गंभीर प्रकार का रोग होना--पितृदोष के कारण कई गंभीर व असाध्य रोग घर के सदस्यों को हो जाते हैं। पितर दोष का प्रभाव घर की स्त्रियों पर भी रहता है। इन्हें ऐसी बीमारियों का सामना करना पड़ता है, जो जल्दी ठीक नहीं होती। ऐसी धार्मिक मान्यताएं हैं।

सन्मार्ग की प्रवृत्ति एक सदाचार कदम

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है।

सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकषर्ण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

मंदारगिरी पर्वत की रोचक यात्रा

- **विनोद कुमार सिंह**

हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति, मैत्री और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने अहिंसा परमो धर्मः का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है।

धन्य -धन्य है वह धरा ,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम, कृष्ण,कबीर, तुलसी, नानक, बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं। आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं। इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने अहिंसा परमो धर्मः का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है। विगत दिनों

मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला। संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई। बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी। वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया। रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया। अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया। अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया। थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा -आप सभी अभी से थक गए?अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है। हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा।

रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों,प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा। वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े। रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे? सर मुस्कुराए और बोले - ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें। जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं। मंदारगिरी पर्वत पर पहुँच कर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया। यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांति सागर जी महाराज को समर्पित है। पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है,जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है। वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा-गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे, गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा। यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह- अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था। पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं। वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है। मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है। हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी,हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो। यात्रा के अंत में हमने स्थानीय रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और वापस बेंगलुरु लौट आए। हमारे लिए यह यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों, शांति, सह-अस्तित्व और परिश्रम के महत्व की गहरी सीख भी दे गई।

सप्त ऋषि और अरुंधती पूजन का धर्म में विशेष महत्व

- **डॉ. शारदा मेहता**

ऋषि पंचमी के दिन सप्तऋषियों का पूजन भाद्र प्रद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन किया जाता है। इसके पूर्व हरतालिका तीज व गणेश चतुर्थी के पावन व्रत किए जाते हैं। ऋषि पंचमी विशेषकर महिलाओं और कन्याओं के लिए विशेष उपयोगी है। यह रजस्वला महिलाओं के लिए विशेष उपयोगी है। यह रजस्वला महिला द्वारा जाने अनजाने या असावधानी वश किसी पवित्र कार्य के सम्पर्क में आ जाती है तो उस दोष के निवारण के लिये क्षमा प्रार्थना हेतु इस उपवास को किया जाता है। इस पूजन में माता अरुन्धती के साथ सप्तऋषियों का पूजन किया जाता है। इस पूजन में अपामार्ग नामक वनस्पति पौधे का विशेष महत्व है। व्रत के दिन बाजार में यह आसानी से उपलब्ध हो जाता है। यह एक प्रकार का औषधीय पौधा होता है। इसे बोलचाल की भाषा में आँधी झाड़ा भी कहते हैं। महिलाएँ इसकी डंडियों से सप्तऋषि निर्मित करती हैं। महिलाएँ इसकी डंडियों से दातून करती हैं। इसके पत्तों को पानी में डालकर स्नान करती हैं। डंडियों से माता अरुन्धती और सप्तऋषि निर्मित किए जाते हैं। सात डंडियों को सफेद वस्त्र में लपेटकर सप्तऋषियों का स्वरूप दिया जाता है। माता अरुन्धती को लाल वस्त्र में लपेटा जाता है। एक पटिये पर चन्दन के सात ऋषि निर्मित कर उन पर लपेटे हुए ऋषि रखे जाते हैं। इसी प्रकार लाल वस्त्र में माता अरुन्धती को रखा जाता है। हल का हाँका अनाज नहीं खाते हैं। मोरधन (भगर, सवाँ) का फलाहार किया जाता है। पूजन में चावल के अक्षत के स्थान पर मोरधन के अक्षत चढ़ाते हैं। चावल का उपयोग वर्जित है। सफेद व लाल वस्त्र ही चढ़ाए जाते हैं। रूई की जनेऊ ही ऋषयों को समर्पित की जाती है। मोरधान की खीर बनाकर नैवेद्य लगाया जाता है। कर्पूर तथा घी के दीपक से आरती की जाती है। कथा वाचन कर क्षमा प्रार्थना की जाती है।

सप्त ऋषियों के नाम और उनकी पत्नियों के नाम-

1. कश्यप- पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इनकी सत्रह पत्नियाँ थीं। उनमें दिति, अदिति, दनु आदि प्रमुख थीं।

2. अत्रि- इनकी पत्नी अनुसूयाजी थीं। इन्होंने वनवास के समय सीताजी की सहायता की थी और सुखी जीवन के बारे में पतिव्रता धर्म की शिक्षा दी। पुत्र का नाम दत्तात्रय है।

3. वसिष्ठ- श्रीराम के कुलगुरु। इनकी पत्नी का नाम अरुन्धती है।

4. विश्वामित्र- ये श्रीराम-लक्ष्मण को बाल्यावस्था में अपने आश्रम ले गए थे। कई पौराणिक ग्रन्थों में इनकी पत्नी का नाम मेनका बतलाया है। कुछ में नाम अज्ञात है।

5. गौतम- पत्नी का नाम अहल्या है। श्रीराम ने वनवास के समय अपनी चरण धूलि से शिला रूप में रखी हुई शापित अहल्या का उद्धार किया था। इनके पुत्र का नाम शतानन्द है।

6. जमदग्नि- परशुरामजी के पिताजी। पत्नी का नाम रेणुका।

7. भारद्वाज- पत्नी का नाम सुशीला। कई पौराणिक ग्रन्थों में अज्ञात है।

अरुन्धती- ये ऋषि वसिष्ठ की पत्नी थी। कहा जाता है कि ये ब्रह्माजी की मानस पुत्री थी। कुछ पौराणिक ग्रन्थों में उन्हें दक्ष प्रजापति और प्रसूति की पुत्री भी दर्शाया गया है। उनमें असाधारण प्रतिभा थीं। इनका विवाह

ब्रह्मर्षि वसिष्ठ के साथ हुआ था। सप्तऋषियों में भी उन्हें विशेष स्थान प्राप्त था। अरुन्धती परम पतिव्रता थी। उन्होंने कभी भी अपने पति का साथ नहीं छोड़ा था। एक बार संयोगवश वसिष्ठजी को अन्य ऋषिगणों के साथ हिमालय पर्वत पर जाना पड़ा। वहाँ उन्हें तपस्या करना थी। अरुन्धती को जंगल में अकेली निवास करना पड़ा। जंगल में अकाल पड़ा था। अरुन्धती को वहाँ बारह वर्ष निवास करना पड़ा। उनहोंने भूखी रहकर शंकरजी की तपस्या की। शंकरजी ब्राह्मण का रूप धारण कर वहाँ पधारे। उन्होंने भोजन की याचना की। अरुन्धती ने असमर्थता व्यक्त करते हुए बदरी बीज खाने को दिए। शंकरजी ने बीजों को गलाने के लिये आग पर रखने को कहा। बारह वर्ष तक बीज उकलते रहे पर गले नहीं। ऋषिगण अपनी तपस्या पूर्ण कर वापस आ गए। शंकरजी ने अपने मूल स्वरूप में उन्हें दर्शन दिए। अरुन्धती की पातिवृत्य तपस्या से वे प्रसन्न हो गए। आज भी आकाश में सप्तऋषियों के समूह में वसिष्ठजी के समीप अरुन्धती नामक तारा दिखलाई देता है। नवदम्पत्ति को ध्रुव तारे के साथ ही परम पतिव्रता अरुन्धती के भी दर्शन कराए जाते हैं। ऐसी असाधारण पातिव्रत धर्म का पालन करने वाली अरुन्धती का पूजन ऋषि पंचमी के दिन सप्तऋषियों के साथ किया जाता है।

सुख दुःख का कर्ता ही आत्मा है

समाज में जब केवल राग ही राग बढ़ता है, तब समस्याएँ उग्र बनती हैं, विकृतियां पैदा होती हैं। राग के सामने विराग का चिराग नहीं जलेगा तो राग उच्छृंखल बन जायेगा, खतरनाक बन जायेगा। राग के सामने विराग का होना जरूरी है और उस विराग का होना ही परमात्मा का होना है। व्यक्ति के जीवन में कभी-कभी एक क्षण ऐसा आता है, जब परमात्मा के दर्शन का आलोक उसके जीवन को आलोक से भर देता है, व्यक्ति बहिरात्मा से परमात्मा की दिशा में प्रस्थान कर देता है।आत्मानुभूति में बाधक तत्त्व-कर्म चारित्र मोह से मूढ़ बना हुआ मनुष्य किसी पर राग करता है और किसी पर द्वेष करता है। राग-द्वेष से कर्म का आत्मा में आश्रवण होता है और उससे संसार में जन्म मरण की परम्परा चलती है। दर्शन मोह से मूढ़ बना हुआ मनुष्य मिथ्यात्व को प्राप्त होता है। मिथ्यात्वी घोर कर्मों का उपार्जन करता हुआ संसार में परिभ्रमण करता है। जैसे बालका अंडे से उत्पन्न होती है और अंडा बालका से उत्पन्न होता है। उसी प्रकार तृष्णा मोह से उत्पन्न होती है और मोह तृष्णा से उत्पन्न होता है। राग और द्वेष कर्म के बीज हैं। कर्म मोह से उत्पन्न होता है और वह जन्म-मरण का मूल है। जन्म-मरण को दुःख कहा गया है। जिसके मोह नहीं, उसने दुःख का नाश कर दिया। जिसके तृष्णा नहीं, उसने मोह का नाश कर दिया। जिसके लोभ नहीं, उसने तृष्णा का नाश कर दिया और जिसके पास कुछ नहीं, उसने मोह का नाश कर दिया। धर्म का आचरण करने वाला व्यक्ति अर्थ सम्पन्न नहीं है और धर्म का आचरण न करने वाला अर्थ सम्पन्न है, इसमें धर्म की विफलता नहीं है। धर्म का फल है-आत्मोदय। वह आत्मा में स्थित है। धर्म से परम शांति, धृति, संतुलन और क्षमा-ये गुण बढ़ते हैं। यह सब धर्म के फल हैं। धन मिलना धर्म का फल नहीं है।

टंडन स्कूल की छात्रा ने स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रचा इतिहास

बरनाला, 11 सितंबर (सुखविंदर सिंह भंडारी) इलाके के प्रसिद्ध टंडन इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सुखजीत कौर ने स्वर्ण पदक जीतकर

इतिहास रच दिया। अगस्त के अंतिम सप्ताह में इंडोनेशिया के बाली में आयोजित बाली ओपन एयर शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। भारत की 9 सदस्यीय टीम का नेतृत्व रिम फायर एंड एयर राइफल्स बेंच रेस्ट शूटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया, जो वर्ल्ड रिम फायर एंड एयर राइफल बेंच रेस्ट शूटिंग फेडरेशन से संबद्ध है। इस प्रतियोगिता में भारत की तीन बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग में पंजाब की सुखजीत कौर ने 673/750, आगरा की दिव्या विज ने 666/750 और संजमजोत कौर ने 573/750 अंक प्राप्त कर भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता में इंडोनेशिया के विभिन्न हिस्सों से 75 प्रतियोगियों ने भाग लिया, जबकि भारत की ओर से तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुल 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पहली बार भारतीय टीम ने इस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर एक नया इतिहास रचा है। बरनाला के एसएसडी कॉलेज में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में आए एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम आईपीएस ने सुखजीत कौर को विशेष रूप से सम्मानित किया। बरनाला की सुखजीत कौर टंडन इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा है। इस अवसर पर सुखजीत ने कहा कि मैं इस जीत से बहुत खुश हूँ। इस जीत में मेरे कोच राहुल गर्ग, टंडन स्कूल और मेरे परिवार का बहुत सहयोग रहा। जिनकी बदौलत मैं इस मुकाम तक पहुँच पाई हूँ। स्कूल की प्रिंसिपल मैडम शालिनी कौशल ने कहा कि सुखजीत कौर ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे बरनाला और भारत को गौरवान्वित किया है। स्कूल के एमडी शिव सिंगला ने सुखजीत कौर और उनके कोच राहुल गर्ग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने पर बधाई दी।

जल के बिना पृथ्वी पर जीवन या वनस्पति संभव नहीं है

बरनाला, 11 (सुखविंदर सिंह भंडारी)जल प्रकृति का अनमोल उपहार है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिमांशु दानिया मेमोरियल सिलाई केंद्र सच पट्टी हंडियाया की संरक्षक नीरज बाला दानिया ने कहा कि सभी धर्मों में जल को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सिख धर्म में जल को पिता का दर्जा प्राप्त है, सनातन धर्म में जल को जल देवता कहा गया है। पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल का 71 प्रतिशत भाग जल है, जिसमें से

केवल तीन प्रतिशत भूमिगत जल ही पीने योग्य है। इस अवसर पर बोलते हुए समाजसेवी सोमा भंडारी ने कहा कि भूमिगत जल सैकड़ों वर्षों में साफ होकर प्राकृतिक रूप से निर्मित जलाशयों में संग्रहित होता है। यह उच्चतम गुणवत्ता का होता है क्योंकि इसे साफ होने में लाखों वर्ष लगते हैं। प्रगतिशील वरिष्ठ नागरिक समाज की महिला शाखा की अध्यक्ष बबीता जिंदल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल प्रदूषित हो रहा है। पंजाब का 45 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं है। कंप्यूटर संकाय मोनिका गर्ग ने कहा कि पंजाब के 117 ब्लॉक डार्क जोन घोषित किए गए हैं। बरनाला ब्लॉक भी डार्क जोन में शामिल है। इस अवसर पर बोलते हुए समाजसेवी सपना गर्ग ने कहा कि विश्व में 400 करोड़ से अधिक लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है, जिसमें भारत के 100 करोड़ लोग शामिल हैं। पंजाब में हर साल लगभग एक मीटर पानी नीचे चला जाता है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम पानी का अधिकतम संयम से उपयोग करें। इस दौरान, पर्यावरणविद् ज्योति शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रश करते समय नल बंद रखें। घरों और वाहनों को धोने की बजाय उन्हें पोछे से साफ करें। अगर घर में नल खराब है, तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। कम पानी वाली फसलें बोएं। अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। घरों और कार्यालयों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाएं।

स्वच्छ कुरुक्षेत्र मेरा कुरूक्षेत्र मेरा अभिमान को लेकर आज देंगे 2 घंटे का श्रमदान : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 11 सिंतबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि स्वच्छ कुरुक्षेत्र मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान को लेकर 12 सितंबर को सुबह 7 बजे से लेकर 9 बजे तक सर्किट हाउस के आस-पास के क्षेत्र की सफाई की जाएगी। इन 2 घंटे के स्वच्छता अभियान में जहां अधिकारी, कर्मचारी श्रमदान करेंगे वहीं आम नागरिकों से भी इस स्वच्छता अभियान में श्रमदान देने की अपील प्रशासन की तरफ से की जा रही है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने

वीरवार को स्वच्छता अभियान को लेकर जारी आदेशों में कहा कि वीरवार को सुबह 7 बजे से लेकर 9 बजे तक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह स्वच्छता अभियान सर्किट हाउस चौक से रतगल गुरुद्वारा तक चलेगा। इस क्षेत्र के लिए सौरव चावला, लेखाकार विनोद कुमार की डयूटी लगाई गई है। इसी तरह सर्किट हाउस चौक से फोनिक्स चौक तक स्वच्छ बनाने के लिए सहायक राजेश चौहान, लेखाकार दिवाकर कुमार की डयूटी रहेगी। उन्होंने कहा कि सर्किट हाउस चौक से नए लघु सचिवालय सडक़ के फोनिक्स चौक के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए सहायक संदीप कुमार व लिपिक रवि शंकर की डयूटी लगाई गई है। इसके साथ ही उपायुक्त कार्यालय के सभी कर्मचारियों को सुबह 7 बजे सर्किट हाउस में पहुंचने के आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए है। इन आदेशों की पालना करवाने के लिए नगराधीश आशीष कुमार को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। उपायुक्त ने कहा कि कुरुक्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए हर व्यक्ति केयोगदान की जरूरत रहेगी। इस योगदान के लिए हर व्यक्ति को तत्पर रहना चाहिए, यह शहर सभी नागरिकों का है, इसलिए सभी नागरिकों का दायित्व भी बनता है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाकर रखा जाए।

टीबी के लक्षण केवल खांसी तक सीमित नहीं : डा. किरण सिन्धु

कलायत, 11 सितंबर (सूबे सिंह मोर) : सिर्फ खांसी ही टीबी का लक्षण नहीं है, बल्कि इसके और भी कई लक्षण हैं। बलगम वाली खांसी, बलगम में खून आना, लगातार बुखार, थकान, सीने में दर्द, पुरानी बीमारी का इतिहास, रात को पसीना आना, वजन में कमी, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ होना और हाल के शारीरिक बदलाव भी टीबी के संकेत हो सकते हैं। ये विचार वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण सिन्धु ने टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित टीबी मरीजों को पोषण

किट वितरण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने मरीजों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी से पूरी तरह छुटकारा पाने के लिए दवाइयों का नियमित सेवन, संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान सीनियर टीबी सुपरवाइजर नरेश कुमार एवं स्वास्थ्य निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि उपमंडल नागरिक हस्पताल, कलायत के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी जेब से सहयोग राशि एकत्रित कर पोषण किटें खरीदीं। इन किटों को वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण सिन्धु द्वारा कलायत क्षेत्र के टीबी मरीजों- जोगिंद्र, शीशपाल, लाजवंती, दिलबाग, गीता, नाथीराम, रोहतास, साहिल, पूनम, ईशा, विजेन्द्र और तन्नू को वितरित किया गया और उन्हें गोद लिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सुमित्रा व निर्मल, एलएचवी देवीरानी, स्वास्थ्य कर्मचारी मुकेश देवी व राजीव कुमार, ब्लॉक आशा कॉर्डिनेटर सुनीता देवी तथा कौशल कर्मचारी अनूप सिंह भी मौजूद रहे।

28 को हजारों निरक्षर देंगे उल्लास परीक्षा : विनोद कौशिक

जिला शिक्षा अधिकारी ने ली लाडवा, शाहबाद व बाबैन खण्ड के सर्वेयर्स व वलियंटर्स की बैठकें,निष्ठा पूर्वक करें काम, 100 प्रतिशत साक्षर होगा जिला

कुरुक्षेत्र, 11 सितंबर (सुदेश कुमार) : जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में पूर्ण साक्षरता सबसे अहम पड़ाव है। सभी स्वयंसेवक अध्यापक, सर्वेयर्स पूरी निष्ठा से काम करें तो जल्द ही कुरुक्षेत्र पूर्ण साक्षर जिला बन जाएगा। गुरुवार को लाडवा, बाबैन व शाहबाद में खण्ड स्तरीय बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में कुरुक्षेत्र जिला ने अपने निर्धारित लक्ष्यों को न केवल सफलतापूर्वक प्राप्त किया है बल्कि उनसे बढक़र काम किया है। सितम्बर 2024 में आयोजित उल्लास परीक्षा में 14897 तथा मार्च 2025 को लगभग 9000 निरक्षर लोगों ने उल्लास का पेपर दिया था। सभी का परीक्षा परिणाम घोषित कर सर्टिफिकेट वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गांव व शहर के प्रत्येक स्कूल में सामाजिक जन चेतना केंद्र खोले गए हैं। वालंटियर टीचर शाम को इन सामाजिक जन चेतना केंद्र में 15 वर्ष से अधिक के आयु के निरक्षर लोगो को बेसिक शिक्षा व अक्षर ज्ञान देते है । उल्लास कार्यक्रम 15 वर्ष से अधिक की आयु के ऐसे अनपढ़ लोगों को शिक्षित करने के लिए चलाया गया है, जो किसी कारण से विद्यालयी शिक्षा प्राप्त न कर सके थे। जैसा कि हम जानते हैं कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशभर में हर क्षेत्र में काम हो रहा है। राष्ट्र के मापदंडों में एक आवश्यक मापदंड 100 साक्षरता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यह परीक्षा 28 सितंबर 2025 को होने वाली है। इस के लिए प्रत्येक खंड स्तर, संकुल स्तर पर तथा विद्यालय स्तर पर उल्लास कोऑर्डिनेटर अध्यापकों में से ही नियुक्त किए गए हैं। सर्वेयर निरक्षरों की पहचान कर उन्हें उल्लास ऐप पर पंजीकरण करवा रहे हैं। इसके साथ ही स्वयंसेवक शिक्षकों को अधिक से अधिक कार्यक्रम से जोडऩे पर बल दिया गया ताकि निरक्षरों को संख्या ज्ञान और मूलभूत शिक्षा आसानी से दी जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रयास केवल साक्षरता तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक नागरिक को शिक्षा के महत्व से जोडऩा है। ताकि उनका जीवन यापन और बेहतर हो सके। जिला उल्लास कोऑर्डिनेटर संजय कौशिक ने बताया कि इस परीक्षा में लाडवा खण्ड से 1200, बाबैन खण्ड से 1000 तथा शाहबाद खण्ड से 2250 निरक्षर महिलाओं व पुरुषों का शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी स्कूलों को निरक्षर लोगों को शिक्षित करने के लिए नोटबुक, पेन, नोटपैड, कैलेंडर व अन्य साहित्य भिजवाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पंजीकरण कार्य जल्द पूरा किया जाए तथा परीक्षा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

नरवाना में विशेष सफाई अभियान की शुरुआत, चमेला कॉलोनी से उठाया पहला कदम

नरवाना, 11 सितम्बर (नरेन्द्र सिंहमार) : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी के निर्देशानुसार नगर परिषद नरवाना द्वारा शहर में विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का विधिवत आगाज़ वीरवार को वार्ड नंबर 14 के चमेला कॉलोनी, भाट कॉलोनी एवं गांधी नगर क्षेत्रों से किया गया।इस मौके पर हाल ही में नियुक्त सब इंस्पेक्टर (सफाई निरीक्षक) प्रदीप लोट ने मौके पर पहुंचकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और उपस्थित सफाई कर्मचारियों को आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए सभी को पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करने का संदेश दिया। नगर परिषद एसआई विशाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान चेयरपर्सन मुकेश मिर्धा के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ बनाना गलियों व नालियों की सफाई सुनिश्चित करना और जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाना है।विशाल ने बताया कि वार्ड नंबर 14 में लगे करीब 70 सफाई कर्मचारी गलियों नालियों और कचरे के ढेरों की सफाई में जुटे हुए हैं। कचरे को ट्रालियों में डालकर तुरंत हटाया जा रहा है और जल निकासी में किसी प्रकार की रुकावट न आए इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सफाई निरीक्षक की निगरानी में गली-गली सफाई कार्य को बारीकी से अंजाम दिया जा रहा है। इस अभियान की शुरुआत के अवसर पर वार्ड पार्षद सत्यवान बेदी, रोहतास, राजपाल दरोगा एवं तरसेम दरोगा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन जनप्रतिनिधियों ने सफाई कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया और स्थानीय निवासियों से भी अपील की कि वे नगर परिषद के इस प्रयास में सहयोग करें तथा अपने घरों व आस-पास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने में सहभागी बनें।नगर परिषद नरवाना ने स्पष्ट किया है कि वार्ड नंबर 14 के बाद यह विशेष सफाई अभियान शहर के अन्य सभी वार्डों में चरणबद्ध ढंग से चलाया जाएगा ताकि नरवाना को एक स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक शहर बनाया जा सके।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है हरियाणा सरकार : कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

यमुनानगर, 11 सितंबर (दिनेश कुमार) : कृषि मंत्री ने रादौर क्षेत्र से पंजाब में बाढ़ से पीड़ितों की मदद के लिए खाने के सामान के अलावा विभिन्न प्रकार के सामान से भरे ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि आपदा के समय लोगों की मदद करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा पंजाब में आवश्यक सामग्री भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब-हरियाणा का आपसी भाईचारा बेहद मजबूत है और पंजाब की जनता इस समय मुश्किल में है इसलिए हमारा फर्ज बनता है कि हम आगे बढक़र उनकी मदद करें। उन्होंने जनता से अपील की कि वे पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की किसी न किसी रूप में मदद अवश्य करें। उन्होंने कहा कि आपदा के समय लोगों को सरकार के साथ गैर-सरकारी संगठनों के साथ-साथ जनभागीदारी भी बहुत जरूरी है। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने गुरुवार को कहा कि नायब सिंह सैनी सरकार राज्य के लोगों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और गत दिनों प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुई भारी बारिश से प्रभावित परिवारों को समय पर राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सभी मंत्रियों व विधायकों को कहा कि वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर भारी बरसात के कारण हुए नुकसान का आकलन करें। उन्होंने बरसाती पानी के कारण प्रभावित परिवारों को तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नेक नीयती की सोच रखने वाले है और उन्होंने हरियाणा के साथ-साथ पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

सरकार का उद्देश्य जन-जन हो साक्षर : विनोद कौशिक

शाहाबाद मारकंडा, 11 सितंबर (रूबी) : गुरूवार को पी.एम.श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहाबाद में उल्लास योजना के अंर्तगत विशेष बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक रहे। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि उल्लास योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिक आयु वाले सभी व्यस्कों को साक्षर बनाना है, जिन्हें स्वयं को साक्षर बनने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के माध्यम से समाज के लोगों को साक्षर बनाया जाता है। उन्होंने मुखियाओं को कहा कि वह स्कूली बच्चों को प्रोत्साहित करें ताकि वह अधिक से अधिक निरक्षर लोगों को इस अभियान में शामिल करें ताकि वह लोग शिक्षित हो सके। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने इंस्पायर अवार्ड मानक योजना बारे बताते हुए कहा कि यह योजना केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए अपनी सोच को वास्तिवकता में बदलने का मंच है। उन्होंने कहा कि सभी मिडल स्कूल से तीन विद्यार्थी और हाई एवं सीनियर सेकैंडरी स्कूल से पांच विद्यार्थियों को इस योजना में शामिल करें। एनएमएमएस योजना बारे उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत विद्यार्थियों को प्रतिमाह एक हजार रूपये की छात्रवृति प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष भी जिले में 128 विद्यार्थियों ने इस योजना के तहत परीक्षा पास की थी। खंड शिक्षा अधिकारी बजिन्द्र सिंह, संजय सिंह ने भी स्कूल मुखियाओं को इन योजनाओं में जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य लक्ष्मी प्रसाद, प्राचार्य राजकुमार भाटिया, कुलदीप सिंह, राजीव गाबा, शीशपाल, राजकुमार कथूरिया सहित विभिन्न स्कूलों के मुखिया एवं इंचार्ज मौजूद थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात गौरवमयी पल : विजय कुमार कूका

पटियाला, 11 सितम्बर (निस) भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से विशेष मुलाकात करना भाजपा ज़िला पटियाला के अध्यक्ष श्री विजय कुमार कूका के लिए गहरे सम्मान और खुशी का अवसर साबित हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान उन्हें पठानकोट एयरबेस पर श्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ।श्री कूका ने कहा कि यह मुलाकात न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे ज़िला पटियाला भाजपा परिवार के लिए भी एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने भाजपा हाईकमान,

महारानी प्रनीत कौर जी और बीबा जय इंदर कौर का विशेष धन्यवाद किया, जिनके सहयोग से यह अवसर संभव हो सका। श्री विजय कुमार कूका ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पंजाब में विकास और जन-कल्याण के प्रयास और अधिक तेज़ी से आगे बढ़ेंगे।

हिंदुस्तान यूनिलीवर फैक्ट्री ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री भेजी

राजपुरा, 11 सितंबर (राजिंदर सिंह कंबोज)- राजपुरा स्थित हिंदुस्तान

यूनिलीवर लिमिटेड फैक्ट्री ने हाल ही में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित इलाकों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। कंपनी ने अपने सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम प्रभात के तहत कामी गाँव के बाढ़ पीड़ितों को पेयजल और अन्य राहत सामग्री भेजी है। यह पहल कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी और आपदा के समय मदद करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। फैक्ट्री मैनेजर देवनाथ गुहा, खेम राज यूनिट के मानव संसाधन प्रबंधक सरदार कुलदीप सिंह और राघव मक्कड़ की एक टीम ने राहत अभियान का नेतृत्व किया। राहत सामग्री से भरा एक ट्रक कामी गाँव भेजा गया। ट्रक पर लगे बैनर पर लिखा था, बाढ़ प्रभावित भाइयों के लिए राहत और सहायता। कंपनी के कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने मिलकर पानी की बोतलें और अन्य आवश्यक वस्तुओं के वितरण में मदद की। इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय समुदाय के सदस्यों और पीड़ितों ने बहुत सराहना की है।

सुधीर कुमार सूरी की हत्या करने वाला संदीप सिंह सनी ने जेल में किया कातिलाना हमला

अमृतसर 11 सितम्बर (मधु राजपूत) सुधीर कुमार सूरी की हत्या का दोषी संदीप सिंह उर्फ़ सनी एक बार फिर सुर्खियों में है। आज उसने जेल के भीतर तीन पुलिसकर्मियों पर कातिलाना हमला किया। इस घटना ने जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गम्भीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, सनी ने अचानक हमला कर पुलिसकर्मियों को

घायल कर दिया। यह वारदात इस बात का सबूत है कि इतना बड़ा अपराधी जेल के अंदर भी हिंसक मानसिकता और आपराधिक सोच को छोड़ने को तैयार नहीं है।

बृज मोहन सूरी की कड़ी निंदा-शिवसेना तकसाली के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बृज मोहन सूरी ने इस पूरे प्रकरण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा-

यह हमला केवल तीन पुलिसकर्मियों पर नहीं बल्कि पूरे कानून-व्यवस्था तंत्र पर सीधा हमला है। जिस तरह सुधीर कुमार सूरी की हत्या की गई, उसी प्रकार आज जेल में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया गया है। यह अत्यंत शर्मनाक और असहनीय है।

उन्होंने आगे कहा—मैं इसकी घोर निंदा करता हूँ और प्रशासन से माँग करता हूँ कि संदीप सिंह सनी पर तुरंत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। यह आवश्यक है कि ऐसे खूंखार अपराधियों को सख़्त दंड दिया जाए ताकि भविष्य में कोई भी पुलिस या समाज पर हमला करने की हिमाक़त न कर सके। बृज मोहन सूरी ने पंजाब सरकार और जेल विभाग से यह भी माँग की कि- जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को और मज़बूत किया जाए। पुलिसकर्मियों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और संसाधन दिए जाएँ। इस हमले की उच्च स्तरीय जाँच हो और दोषी को उदाहरणात्मक सज़ा मिले। उन्होंने कहा कि यह समय सिर्फ निंदा करने का नहीं बल्कि कठोर और निर्णायक कदम उठाने का है।

आईआईटी मद्रास एक बार फिर एनआईआरएफ रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ

चंडीगढ़ 11 सितंबर (मधु राजपूत) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने एक बार फिर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। संस्थान ने इंजीनियरिंग शिक्षा में दशकों की

उत्कृष्टता का इतिहास लिखा है। आज नई दिल्ली में एक पुरस्कार समारोह में इस रैंकिंग की घोषणा की गई।एनआईआरएफ 2025 में %इंजीनियरिंग ' श्रेणी ' में लगातार 10वें वर्ष और %सकल: श्रेणी में लगातार 7वें वर्ष नंबर 1 रैंक अपने नाम कर आईआईटी मद्रास ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में पुन: परचम लहरा दिया है। भारतीय शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी रहने की अपनी दावेदारी पक्की कर ली है।

द्रोणाचार्य स्टेडियम की खिलाड़ी नैंसी ने हरियाणा स्कूल स्टेट बाक्सिंग चैम्पियनशिप में जीता कांस्य पदक

कुरुक्षेत्र, 11 सिंतबर (सुदेश कुमार) : द्रोणाचार्य स्टेडियम की बॉक्सिंग नर्सरी की खिलाड़ी नैंसी ने 19 वर्ष से कम आयु वर्ग में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्कूल स्टेट बाक्सिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया है। इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने खिलाड़ी नैंसी और उनके प्रशिक्षक जितेन्द्र कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दी है। प्रशिक्षक जितेन्द्र कुमार ने आज यहां बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा शिक्षा विभाग की तरफ से 8 से 10 सितंबर तक चरखी दादरी में महिला हरियाणा स्कूल स्टेट बाक्सिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 17 वर्ष व 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के महिला खिलाड़ियों की थी। इस प्रतियोगिता में द्रोणाचार्य स्टेडियम की खिलाड़ी नैंसी ने 19 वर्ष से कम आयु वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि नैंसी पिछले 5 सालों से द्रोणाचार्य स्टेडियम में अभ्यास कर रही है।

बाबू अनंत राम जनता कॉलेज में फर्स्ट एड ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित

निसिंग, 11 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में जिला प्रशासन कैथल के आदेशानुसार और प्राचार्य डॉक्टर ऋषिपाल की अध्यक्षता में यूथ रेड क्रॉस क्लब तथा एनएसएस यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में 10 सितम्बर को फर्स्ट एड ट्रेनिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीनाक्षी एवं डॉ. नैन्सी गुलाटी के संयुक्त प्रयासों से हुआ। इस अवसर पर श्री महिपाल सिंह (फर्स्ट एड लेक्चरर) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विस्तार से बताया कि वास्तव में फर्स्ट एड क्या है और वह व्यक्ति जो प्राथमिक उपचार देता है, उसमें कौन-कौन से गुण होने चाहिए। उन्होंने न केवल सामान्य परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार देने के तरीके समझाए बल्कि विद्यार्थियों को सीपीआर की बारीकियों से भी अवगत कराया। उन्होंने विस्तार से समझाया कि सीपीआर कब, कहाँ, कैसे और किसे देना चाहिए। पर चर्चा करते हुए उन्होंने व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने विद्यार्थियों को फ्रैक्चर की स्थिति में प्राथमिक उपचार, रक्तस्राव को नियंत्रित करने के उपाय तथा साँप के काटने पर तुरन्त दी जाने वाली प्राथमिक सहायता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

व्याख्यान के अंत में महिपाल सिंह तथा सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने यह प्रतिज्ञा ली कि वे जरूरतमंद व्यक्ति को हर संभव स्थिति में प्राथमिक उपचार प्रदान करेंगे और समाज में जीवन रक्षक जागरूकता फैलाएँगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्राथमिक उपचार का ज्ञान हर विद्यार्थी और नागरिक के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना औपचारिक शिक्षा, क्योंकि आपातकालीन परिस्थितियों में यह किसी की जान बचा सकता है। उन्होंने फर्स्ट एड ट्रेनिंग को दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इसे समाज में भी प्रसारित करें। प्राचार्य ने अंत में मुख्य वक्ता महिपाल सिंह का विशेष आभार व्यक्त किया और उन्हें विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी शिक्षा देने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा रेड क्रॉस क्लब व एनएसएस समिति के सदस्य — डॉ. संदीप कुमार, डॉ. पुष्पा, डॉ. कोमल रानी, डॉ. राजीव कुमार गाबा, डॉ. विश्वम्बर दास, डॉ. राधिका खन्ना एवं डॉ. सोनिया रानी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

ग्रामीणों ने डीसी को मुख्यमंत्री के नाम भूमि के मुआवजे को लेकर मांग पत्र दिया

यमुनानगर, 11 सितंबर (संजीव कुमार) : आज भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में रादौर क्षेत्र के गांव नकृम्भ के सैंकड़ों ग्रामीणों ने डीसी यमुनानगर को मुख्यमंत्री के नाम यमुना नदी में बाढ़ के कारण समाई सैकड़ों एकड़ भूमि के मुआवजे को लेकर मांग पत्र दिया। गांव की तकरीबन 200 एकड़ भूमि जिसमें खड़ी फसल पॉपुलर, गन्ना, ट्युबवैल बिजली के कनेक्शन और मकान सब यमुना नदी में समा गए हैं।

कृषि मंत्री के क्षेत्र का गांव है लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी गांव में जायजा लेने तक नहीं गया आज मजबूर होकर गांव वासी डीसी ऑफिस में पहुंचे और मांग पत्र दिया।

किसानों ने मांग की कि हमने जो बैंकों से कर्जा कृषि के लिए लिया है वह हमारा माफ किया जाए क्योंकि हमारी जमीन ही यमुना में चली गई हम कर्ज नहीं दे सकते और कम से कम एक लाख रू प्रति एकड़ हमारे को मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर विशेष रूप से जिला अध्यक्ष संजू गुदियाना, डायरेक्टर मंदीप रोड छप्पर, प्रदेश संगठन सचिव हरपाल सुढल, जिला सचिव विक्रांत ससौली ,जगाधरी ब्लाक प्रधान पम्मी, कृष्ण पाल, अश्वनी शर्मा, साहब सिंह ,जयपाल, अशोक, प्रदीप, रणधीर जयपाल, मेहर सिंह, कर्ण इत्यादि उपस्थित रहे।

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बडनपुर में भव्य एडोलेसेंट एजुकेशन एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन

नरवाना, 11 सितंबर (नरेन्द्र सिंहमार) : पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बडनपुर में आज बाल सलाह परामर्श एवं कल्याण केंद्र द्वारा एक भव्य एवं प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई विद्यालय के प्राचार्य संजय चौधरी ने की जबकि मुख्य वक्ता के रूप में राज्य नोडल अधिकारी डॉ. अनिल मलिक एवं साइक्लो काउंसलर नीरज कुमार ने विशेष रूप से शिरकत की।कार्यक्रम की शुरुआत बाल सलाह परामर्श एवं कल्याण केंद्र के उद्घाटन से हुई जिसे डॉ. अनिल मलिक, नीरज कुमार और प्राचार्य संजय चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद आयोजित सेमिनार में लगभग 800 विद्यार्थियों ने भाग लिया।डॉ. अनिल मलिक ने बेहद सहज और प्रेरणादायक शैली में विद्यार्थियों को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने तनाव प्रबंधन आत्म-विश्वास, करियर चुनना, किशोरावस्था की चुनौतियाँ और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर गहराई से चर्चा की वहीं नीरज कुमार ने छात्रों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। तीन घंटे चले इस सेमिनार में सभी छात्रों और शिक्षकों ने भरपूर लाभ उठाया।प्राचार्य संजय चौधरी ने जानकारी दी कि अब हर 15 दिन में काउंसलर नीरज कुमार विद्यालय में आकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे साथ ही डॉ. अनिल मलिक ने यह भी बताया कि अगला सेमिनार अभिभावकों के लिए आयोजित किया जाएगा जिसकी रूपरेखा अक्टूबर से मार्च माह के बीच तैयार की जाएगी।डॉ. मलिक ने अपने संबोधन में विद्यालय की प्रबंधन समिति विशेष रूप से प्राचार्य संजय चौधरी, प्रो. राजेश और अन्य शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बडनपुर विद्यालय न केवल अकादमिक क्षेत्र में बल्कि सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी पुष्पा देवी एवं एसडीएम उचाना दलजीत सिंह ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और बधाई दी।कार्यक्रम में ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली। गांव के सरपंच गगनदीप, एमसी प्रधान नानूराम, उप-प्रधान कविता देवी, पंच सदस्य पिंकी देवी, गीता देवी, सीता देवी, टिंकू, कुलदीप सिंह, नसीब सिंह, राममेहर, सतपाल सिंह, राजेश, धर्मपाल सिंह, ज्ञानी राम, बलवान सिंह, डॉ. जगबीर, फौजी प्रह्लाद सिंह, सतीश सिंह, रामकुमार, सुभाष जांगड़ा, मिलु नंबरदार, संदीप नंबरदार, बलवान, खजान सिंह, विजेंद्र, अमित सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अवसर पर विद्यालय को भव्य आयोजन और सकारात्मक पहल के लिए बधाई दी।

सांसद नवीन जिंदल ने शहीद पंकज राणा के परिवार से मुलाकात कर जताया दुख, हर संभव मदद का आश्वासन

कलायत, 11 सितंबर (सूबे सिंह) : कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल ने गुरुवार को कलायत में शहीद नायक पंकज राणा के घर जाकर उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि देश अपने बहादुर सैनिकों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। सांसद जिंदल ने कहा कि पंकज राणा का निधन देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। इस दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं और हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। इस पर परिवार ने पंकज की पत्नी के लिए सरकारी नौकरी की मांग की। उन्होंने बताया कि पंकज का एक छोटा बेटा है और उनकी पत्नी के पास आय का कोई साधन नहीं है। सांसद ने इस संबंध में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद हुआ निधन नायक पंकज राणा भारतीय सेना की 51 इंजीनियरिंग रेजीमेंट में तैनात थे। वे 20 अगस्त को छुट्टी पर अपने घर आए थे। कैथल से कलायत लौटते समय, गांव बात्ता के पास एक सड़क दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत पंचकूला के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 9 सितंबर को उनका निधन हो गया। बुधवार शाम को पूरे राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। पंकज के निधन से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा देश एक बहादुर सैनिक को खोने का दुख महसूस कर रहा है। सांसद नवीन जिंदल के अलावा, पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, नगर पालिका प्रधान अंकित जैलदार, और अन्य भाजपा नेताओं सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी शहीद पंकज राणा के परिवार को सांत्वना देने पहुंचे।

फसल अवशेषों में आगजनी की घटना को रोकने के लिए अधिकारी घर-घर जाकर किसानों को करेंगे जागरूक : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 11 सितंबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि फसल अवशेषों में आगजनी की घटना को रोकने के लिए अधिकारी घर-घर जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। इतना ही नहीं आगजनी की घटनाओं को लेकर संवेदनशील गांव में जाकर अधिकारी व्यक्तिगत रूप से किसानों से मिलेंगे। इस जिले में आगजनी की घटनाओं का आंकड़ा शून्य पर रखने का प्रयास करना है। अहम पहलू यह है कि इस वर्ष फसल अवशेष के प्रबंधन पर अच्छी पेंटिंग,जिंगल,स्लोगन,रील व निबंध बनाने वाले संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को देर सायं लघु सचिवालय के सभागार में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी कि खरीफ 2024 में जिला कुरुक्षेत्र में 132 आगजनी (ए.एफ.एल.) की घटना हरसैक के सेटेलाइट द्वारा प्राप्त हुई, जिसमें से फील्ड में केवल 72 आगजनी की घटनाएं मिली, शेष 60 लोकेशन पर आगजनी की घटनाएं नहीं पाई गई, सभी 72 दोषी किसानों के चालान जारी किए गए, एफ.आई.आर. दर्ज की गई तथा इनके फार्म रिकॉर्ड में 181 रैड एंट्री दर्ज कर दी गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी उच्चतम न्यायालय तथा राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल आगजनी की घटनाओं को लेकर सख्त रूख अपना रहा है तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से लगते राज्यों की सरकारों को निर्देश दिए है कि खरीफ 2025 में आगजनी की घटनाए नहीं होनी चाहिए। यदि, कोई किसान खेत में पड़े अवशेषों में आग लगाता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उच्चत्तम न्यायालय ने सभी राज्यों को निर्देश दिए है कि की आगजनी की घटनाओं को रोकने हेतु पुलिस प्रशासन महत्वपूर्ण रोल निभा सकता है, जिसके लिए सम्बन्धित एस.एच.ओ. को उसके क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताया है।

उन्होंने कहा कि आगजनी की घटनाओं को रोकने हेतु जिला प्रशासन द्वारा बी.एन.एन.एस. 2023 की धारा 163 भी लगाई हुई है। जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय, उप मण्डल स्तरीय, खण्ड स्तरीय एवं ग्राम स्तरीय इंफोर्समेंट टीमों का गठन आगजनी की घटनाओं को रोकने एवं निगरानी हेतु किया गया है। उपायुक्त ने जिला प्रशासन द्वारा किसानों से विशेष अपील की गई है कि धान की पराली में आग न लगाए बल्कि इन-सीटू एवं एक्स-सीटू के माध्यम से पराली का प्रबंधन करें। इस मौके पर एसडीएम अभिनव सिवाच, एसडीएम शाश्वत सांगवान, एसडीएम डा. चिनार चहल, डीआरओ चेतना चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया की बैठक संगठन विस्तार और पत्रकारों की मांगों पर हुई चर्चा

वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र जैन मुख्य संरक्षक नियुक्त, राकेश लाम्बा बने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

करनाल, 11 सितंबर (संदीप रोहिला) : वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा के आह्वान पर जिला अध्यक्ष सन्नी चौहान की अध्यक्षता में पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विस्तार से लेकर पत्रकार हितों तक कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पहला निर्णय लिया गया कि सभी सदस्य विधिवत रूप से डिजिटल फार्म भरकर अपनी सदस्यता ग्रहण करें। साथ ही जिला कार्यकारिणी का विस्तार करने, जिला, कस्बों और गांवों के पत्रकारों को संगठन से जोड़ने और पत्रकारों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखने पर चर्चा की गई। डब्ल्यू.जे.आई. के जिला अध्यक्ष सन्नी चौहान के सुझाव पर प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र जैन को जिला इकाई का मुख्य संरक्षक मनोनीत किया, वहीं पत्रकार राकेश लाम्बा को प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया गया। बैठक की शुरुआत में पत्रकार राजिंदर चौहान की माता के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव एवं हरियाणा प्रभारी विकास सुखीजा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अशोक कुमार, लव कुमार गनोत्रा, मेघ राज लूथरा, सुरिंदर पांचाल, विनय विज, मनीष शर्मा, कदम सिंह, हरविंदर सिंह, दर्शन शर्मा, मैनपाल कश्यप, बलविंदर सिंह व कंपी पाल सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाबैन में खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव हुआ संपन्न

बाबैन, 11 सितंबर (राजेश कुमार) : राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाबैन में खंड स्तरीय कल्चरल फेस्ट 2025 का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह उत्सव दो स्तरों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ। जिसमें पहले वर्ग में कक्षा 5 से 8 तक तथा दूसरे वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। दोनों ही वर्गों में रागिनी गायन, एकल लोक नृत्य, समूह लोक नृत्य और स्किट प्रतियोगिताऐं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार ने जीवन में सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभाग द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रदान किए जा रहे अवसरों की जानकारी दी। नोडल ऑफिसर रजनीश त्यागी प्रिंसिपल रामशरण माजरा, प्रवक्ता ओमप्रकाश एवं मौलिक प्रधान अध्यापक अनिल कुमार ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन किया गया। नृत्य प्रतियोगिता सुप्रिया शर्मा, नीरू,अंजू रागिनी गायन सोहन लाल, अनीता रानी, कपिल कुमार स्किट प्रतियोगिता दीपक शर्मा, सैनी स्कूल की प्रिंसिपल रीटा ढींढसा, शिव कुमार व स्किट प्रतियोगिता में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक बाबैन और राजकीय माध्यमिक विद्यालय कलाल माजरा रहा । ग्रुप डांस में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंगोली जाटान रहा । रागनी में मंगोली जाटान एवं राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक बाबैन रहे। ग्रुप डांस में द्वितीय स्थान पर राजकीय माध्यमिक विद्यालय कलाल माजरा रहा।

कार्यक्रम का मंच संचालन अवशीष शर्मा एवं विकास शर्मा ने कुशलतापूर्वक किया। प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया तथा निर्धारित राशि बैंक के माध्यम से प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से नोडल के रूप में पहुंचे सतबीर कौशिक ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों की सराहना की और बताया कि प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राऐं जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने राज्य सरकार के शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। अंत में निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों तथा आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले शिक्षकों को मंच पर सम्मानित किया गया।

समाधान शिविर का हुआ आयोजन, लोगों की सुनी समस्याएं

अंबाला, 11 सितंबर (रवि पहुजा) : नगराधीश अभिषेक गर्ग ने कहा समाधान शिविर में प्रार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाना सुनिश्चित करें। समाधान शिविर आयोजित करने का मुख्य उदेश्य आम नागरिकों की समस्याओं का अविलम्ब व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। सभी संबंधित इसी ध्येय के साथ कार्य करें। नगराधीश वीरवार को उपायुक्त कार्यालय के सभागार मे आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता कर रहें थे। इस दौरान उन्होंने प्रार्थियों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियो को जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। नगराधीश ने कहा कि उपायुक्त अजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन मे जिलास्तर व उपमण्डल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजें से दोपहर 12 बजें तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहें है। इन शिविरो मे विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एक स्थान पर मौजूद रहकर लोगो की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करते है। इस मौके पर समाधान शिविर मे कुल 2 शिकायतें प्राप्त हुई जिनको नगराधीश द्वारा संबंधित विभाग को मार्क करते हुए जल्द समाधान करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर डीएसपी विजय कुमार, एसडीओ बिजली विभाग जोगिंद्र, क्रिड विभाग से गौरव अहुजा, समाज कल्याण से अवतार सिंह के साथ-साथ अन्य अधिकारीगण मौजूद रहें।

बारिश ने ढाया कहर : 70 वर्षीय विधवा का कच्चा मकान क्षतिग्रस्त, मदद की गुहार

कलायत, 11 सितंबर (सूबे सिंह) : क्षेत्र में हुई भारी बारिश ने जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

इस बारिश में कई कच्चे मकानों को भारी नुकसान हुआ है, जिनमें से एक गाँव कैलरम की 70 वर्षीय विधवा कृष्णा देवी का घर भी शामिल है। सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश में उनका एक कमरे का कच्चा मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, इस हादसे में वह बाल-बाल बच गईं, लेकिन अब उनके पास रहने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है। जान जोखिम में, छत गिरने का डर हादसे के बाद से कृष्णा देवी का मकान रहने लायक नहीं बचा है। दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं, जिससे छत कभी भी गिर सकती है। अपनी जान को खतरे में डालकर उन्होंने कुछ ईंटों के सहारे छत को गिरने से रोक रखा है। आय का कोई साधन न होने के कारण उनके लिए मरम्मत कराना असंभव है। वह पिछले 23 सालों से अकेली रह रही हैं, क्योंकि उनके पति का निधन हो चुका है और इकलौती बेटी की शादी हो चुकी है। प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

इस मुश्किल की घड़ी में, कृष्णा देवी ने ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन से जल्द से जल्द आर्थिक मदद की गुहार लगाई है ताकि वह अपने घर की मरम्मत करा सकें और सुरक्षित रह सकें।

नए कृषि यंत्रों से किसानों का काम आसान और उत्पादन बढ़ा : कपिल शर्मा

निसिंग, 11 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : मशीनों एग्रीकल्चर इंप्लीमेंट प्राइवेट लिमिटेड के कपिल शर्मा ने बताया कि भारत कृषि प्रधान देश है। बदलते समय के साथ आज की खेती भी आधुनिकता की ओर जा रही है। पहले किसान खेतों की जुताई बैलों से करता था।खेतों के जिन कामों के लिए घंटों समय और लागत लगाता था।अब मशीनों कंपनी के ऐसे-ऐसे यंत्र आ चुके हैं, जो खेती किसानी के काम को आसान बना रहे हैं।

इतना ही नहीं इन यंत्रों को किसान आसानी से खरीद सके और अपने खेती के लिए उपयोग कर सके, इसे ध्यान में रखते हुए सरकार भी समय-समय पर अच्छा खासा अनुदान दे रही है। कपिल शर्मा ने बताया कि खेती का तरीका पिछले कुछ वर्षों में काफी बदला है। शर्मा ने बताया कि मशीनों कंपनी के कृषि यंत्रों ने पूरे भारत में एक अपनी पहचान बनाई है। सभी राज्यों में मशीनों कंपनी के कृषि यत्र किसानों को उपलब्ध करवाए जाते हैं। जिस भी राज्य के किसानों की जो भी कृषि यंत्र की जरूरत होती है उसी प्रकार के कृषि यंत्र तैयार किए जाते हैं।कपिल शर्मा ने बताया कि स्ट्रा रेपर,लेजर लेवल,रोटरी कटर,सुपर सीडर, ड्रिल मशीन, कल्टीवेटर, रोटावेटर और सभी प्रकार की हैरो तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि परंपरागत खेती के मुकाबले अब किसान आधुनिक तकनीकों और मशीनों की सहायता से कम समय में अधिक उपज प्राप्त कर रहे हैं। आधुनिक कृषि मशीनें खेती को ना केवल आसान बनाती हैं, बल्कि किसान की मेहनत और लागत दोनों को भी कम करती हैं। इन मशीनों के इस्तेमाल से उत्पादन की क्वालिटी और मात्रा में जबरदस्त बढ़ोतरी की जा सकती है। शर्मा ने बताया कि सुपर सीडर, हैप्पी सीडर जैसी मशीनें भी किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है।

धान की फसल के अवशेष जलाने पर रोक, धारा 163 लागू

कैथल, 11 सितंबर (प्रवेश बहादुर) : जिलाधीश एवं डीसी प्रीति ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिला की सीमा में तुरंत प्रभाव से धान की फसल की कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 15 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक लागू रहेंगे। जिलाधीश ने कहा कि खरीफ फसलों की कटाई को कार्य शुरू होने वाला है। फसलों की कटाई उपरांत कुछ किसान खेतों में बचे हुए फसल अवशेषों को आग लगा देते हैं, जिस कारण वायु प्रदूषण होता है और वायु प्रदूषण अधिक होने से आंखों में जलन, चमड़ी के रोग व आमजन मानस को सांस लेने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। कई बार अवशेषों में आग लगाने से उत्पन्न हुए धुएं के कारण राजमार्गों पर दुर्घटना भी हो जाती है। खेतों ने चर रहे मवेशी भी आग की चपेट में आ जाते हैं। फसल अवशेष में आग लगाने से चारे की कमी भी हो जाती है और भूमि की ऊपरी सतह जलने के कारण सूक्ष्म जीव एवं मित्र कीट मर जाते हैं। भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कमजोर हो जाती है। फसल अवशेषों में आग लगने के कारण जान माल की हानि होने का भी खतरा बना रहता है। इसलिए कोई भी किसान एवं आमजन धान के बचे हुए अवशेषों में आग न लगाएं, बल्कि इसका सही तरीके से प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि इन आदेशों की अवहेलना का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 एवं संपठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इन आदेशों की पालना एसडीएम, उप-पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार व नायब तहसीलदार, बीडीपीओ, कृषि उपनिदेशक पूरे जिला में करवाना सुनिश्चित करें।

कलायत के सपूत नायक पंकज राणा को सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

कलायत, 11 सितंबर (सूबे सिंह) : कलायत के एक बहादुर बेटे, भारतीय सेना की 51 इंजीनियर रेजीमेंट के नायक पंकज राणा का बुधवार को दुखद निधन हो गया। 30 वर्षीय पंकज का अंतिम संस्कार गुरुवार शाम को उनके पैतृक गांव कलायत में पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस भावुक पल में सैकड़ों लोगों ने उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पंकज राणा, जो जम्मू-कश्मीर में तैनात थे, 10 अगस्त को छुट्टी पर घर आए थे। उनके बड़े भाई रवि राणा के अनुसार, 20 अगस्त को एक सड़क हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह हादसा तब हुआ जब वह कैथल से कलायत लौट रहे थे।

हादसे के बाद उन्हें पंचकूला के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ 9 सितंबर को इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम साँस ली। गुरुवार शाम करीब 5 बजे, नायक पंकज राणा का पार्थिव शरीर सैन्य वाहन से उनके घर पहुँचा। रामबाग श्मशान भूमि में आयोजित अंतिम संस्कार में प्रशासनिक अधिकारियों और सेना के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी। उनके बड़े भाई रवि राणा ने नम आँखों से उन्हें मुखाग्नि दी। जिला उपायुक्त की ओर से एसडीएम अजय हुडा ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान जगजीत सिंह ने बताया कि नायक पंकज 2015 में सेना में शामिल हुए थे। अपने पीछे वह अपनी पत्नी और एक 3 वर्षीय बेटे को छोड़ गए हैं। करीब डेढ़ साल पहले उनके छोटे भाई शालू की भी एक हादसे में मौत हो गई थी। इस दोहरे दुख ने उनके पिता शमशेर सिंह राणा को पूरी तरह से तोड़ दिया है। इस दुख की घड़ी में, नगर पालिका सचिव पवन शर्मा, थाना प्रभारी रामनिवास शर्मा, और विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अंतिम यात्रा में पहुंचकर शहीद को श्रद्धांजलि दी।

ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाएं सुनिश्चित : उपायुक्त सुशील सारवान

सोनीपत, 11 सितंबर (विनोद) : उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील सारवान ने गुरूवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और वेयर हाउस से संबंधित सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा बहुत की संवेदनशील कार्य है, ऐसे में वेयर हाउस में निर्माण के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को ईवीएम वेयरहाउस के सुरक्षा प्रोटोकॉल के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए इसको लेकर कड़े दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन व्यवस्था, कंट्रोल यूनिट एवं बैलेट यूनिट के संबंध में अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर एसीयूटी योगेश दिल्हौर, राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों में श्रृद्धानंद सोलंकी, डीआर मलिक, अशोक सरोहा, अशोक शर्मा, अमित कुमार मलिक, राजेश सरोहा, निर्वाचन तहलीलदार दिनेश कुमार, संजय श्रीवास्तव व सहायक वेदपाल चौहान आदि मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स की एनरोलमेंट के लिए जींद से आई बटालियन, सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना की छात्राओं ने दिखाया उत्साह

नरवाना, 11 सितंबर (नरेन्द्र सिंहमार) : सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में आज एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) की नई भर्ती (एनरोलमेंट) प्रक्रिया के तहत 15 हरियाणा बटालियन जींद की एक टीम महाविद्यालय पहुंची। इस अवसर पर छात्राओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजना लोहान ने बताया कि छात्राओं ने एनसीसी की एनरोलमेंट प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लिया। चयन प्रक्रिया के तहत छात्राओं को स्थानीय स्टेडियम ले जाया गया, जहां 15 हरियाणा बटालियन जींद से पहुंचे पीआई स्टाफ सदस्य नवदीप के नेतृत्व में चयन कार्य किया गया।एनसीसी की एएनओ (एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर) लेफ्टिनेंट डॉ. नयनदीप एवं महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने पीआई स्टाफ का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस वर्ष महाविद्यालय से कुल 51 छात्राओं ने आवेदन किया जिनमें से 15 छात्राओं का चयन किया जाना प्रस्तावित है।चयन प्रक्रिया में छात्राओं को लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल फिटनेस टेस्ट जैसे 800 मीटर दौड़ में भी भाग लेना पड़ा जिससे उनकी शारीरिक क्षमता का मूल्यांकन किया गया। छात्राओं द्वारा दी गई लिखित परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाएं बटालियन द्वारा मूल्यांकन हेतु जींद ले जाई गईं। निर्धारित मानदंडों के आधार पर चयनित कैडेट्स की सूची शीघ्र ही घोषित की जाएगी। पीआई स्टाफ टीम ने छात्राओं के अनुशासन जोश और तैयारी की भूरी-भूरी प्रशंसा की और बताया कि इस प्रकार की भागीदारी एनसीसी के मूल उद्देश्यों देशभक्ति अनुशासन और सामाजिक सेवा को मजबूती प्रदान करती है। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान सुरेश सिंघल उपप्रधान राजकुमार गोयल, सचिव जियालाल गोयल एवं कोषाध्यक्ष धर्मवीर गोयल ने भी छात्राओं को एनसीसी के माध्यम से देश सेवा और समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

2250 ऑनलाइन टीचर ट्रेनिंग कोर्स पूरे कर विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले अध्यापक कृष्ण कुमार हुए सम्मानित

नरवाना, 11 सितंबर (नरेन्द्र सिंहमार) : राजकीय प्राथमिक पाठशाला सैंथली के समर्पित शिक्षक कृष्ण कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए समस्त भारत वर्ष के 2250 ऑनलाइन टीचर ट्रेनिंग कोर्स पूरे कर एक विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस अद्भुत उपलब्धि पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा ने उन्हें अपने जींद स्थित निवास स्थान पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।अध्यापक कृष्ण कुमार की यह उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर समर्पण और नवाचार की मिसाल बन चुकी है। इससे पहले भी उन्हें कई राष्ट्रीय स्तर के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणा के राज्यपाल महामहिम बंडारू दत्तात्रेय तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा भी उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। सिर्फ हरियाणा ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों के शीर्ष नेतृत्व ने भी उनके योगदान को सराहा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महामहिम आनंदीबेन पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।कृष्ण कुमार की यह उपलब्धि न केवल हरियाणा बल्कि समस्त देश के लिए गर्व का विषय है। वे शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं और यह साबित किया है कि निरंतर सीखने और समर्पण की भावना से कोई भी शिक्षक वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकता है।

7 ब्लॉकों में सेवा पखवाड़ा को लेकर आयोजित किए जाएंगे बड़े कार्यक्रम : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 11 सितंबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र के 7 ब्लॉकों के बड़े गांव में सेवा पखवाड़े के तहत बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस विषय को गंभीरता से लेकर अधिकारियों, कर्मचारियों को अपनी डयूटी का निर्वहन करना होगा। अहम पहलू यह है कि जिला में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजित किया जाएगा। इस पाक्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देना और विकासात्मक पहलों को एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को देर सांय लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा सामूहिक जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा करना है। प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राष्ट्र सेवा के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्पण का जश्न मनाना है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की सक्रिय भागीदारी के साथ जिले में प्लास्टिक मुक्त अभियान और व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे सही मायने में जन लाभ सुनिश्चित करने के लिए अपने निर्धारित कार्यक्रमों की योजना बनाकर उन्हें क्रियान्वित करें। यह अभियान प्रधानमंत्री के सेवा के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाने के लिए हरियाणा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग स्कूलों और कॉलेजों में निबंध लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित करेगा। छात्र और शिक्षक स्वच्छता और नशा मुक्ति की शपथ भी लेंगे। सेवा पखवाड़े के दौरान विभाग एनएसएस स्वयंसेवकों का एक समारोह भी आयोजित करेगा, जिसके दौरान पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेल विभाग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रतियोगिताओं और फिटनेस गतिविधियों के आयोजन के लिए कार्यक्रम तैयार करेगा। गांवों में खेल उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। युवाओं में उद्यमिता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत ठोस कचरा प्रबंधन के लिए हर ब्लॉक से 3 गांव लिए जाए और उन ब्लॉकों में उन गांव को शामिल किया जाए जिनकी आबादी 3 हजार से ऊपर हो। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग अन्य कार्यक्रमों के अलावा स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा जांच शिविरों का आयोजन करेगा। साथ ही अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनवाड़ी केंद्रों का आधुनिकीकरण और सौंदर्यकरण करेंगी। कुपोषण से निपटने में उल्लेखनीय योगदान देने वाली उत्कृष्ट आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग ने गांवों में स्वच्छता अभियान चलाने और स्वच्छता एवं विकास में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आदर्श गांवों को सम्मानित करने के अलावा और भी कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग सभी प्रतिष्ठानों में स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान और शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाएगा। इस अभियान के दौरान 7-स्टार गांव के मानकों को पूरा करने के लिए काम करने वाली ग्राम पंचायतों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस मौके पर एसडीएम शाश्वत सांगवान, सीईओ जिला परिषद शंभू राठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

डीएवी स्कूल में अलंकरण समारोह आयोजित किया

पिहोवा, 11 सितंबर (विवेक): डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें नवनियुक्त परिषद के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। छात्रों ने गरिमा और अनुशासन बनाए रखने की शपथ ली। समारोह के दौरान प्रांची गुप्ता को हेड गर्ल, साहिल को हेड ब्वाय, एकांश कालड़ा को डिप्टी हेड बॉय, जागृति को डिप्टी हैड गर्ल नियुक्त किया गया। दयानंद हाउस में हाउस कैप्टन हेड बॉय हर्षदीप, हाउस कैप्टन प्राची गुप्ता, महात्मा आनंद स्वामी हाउस हाउस कैप्टन बॉय पारू संधू, हाउस कैप्टन गर्ल वैभवी मेहता, महात्मा हंसराज हाउस, हाउस कैप्टन बॉय साहिल, हाउस कैप्टन गर्ल जागृति, श्रद्धानंद हाउस में हाउस कैप्टन बॉय हर्ष मलिक और हाउस कैप्टन गर्ल शबनम को जिम्मेदारी दी गई। प्रिंसिपल डॉ. कंवल गाबा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उन्हें निष्ठा, ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वरुण अत्री, मुक्ता चावला, सोनिया पुरी, सीमा, सुमन सैनी, कमलेश, नितिका, मंजू भटिया, गगन, प्रदीप, संजीव शर्मा, धर्मेंद्र मौजूद थे।

बिना ठोस कारण प्रॉपर्टी आईडी के ऑब्जेक्शन रिवर्ट किए तो होगी विभागीय कार्यवाही : महाबीर प्रसाद

यमुनानगर, 11 सितंबर (दिनेश कुमार): प्रॉपर्टी आईडी के दुरुस्तीकरण को लेकर नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने एनडीसी पोर्टल के सभी मेकर व चेकर की बैठक ली। उन्होंने सभी मेकर चेकर को सख्त निर्देश दिए कि नागरिकों की सुविधा के लिए किसी भी ऑब्जेक्शन को ठोस कारण के बिना रिवर्ट न करें। राइट टू सर्विस कमिशन से निर्धारित समय के तहत ऑब्जेक्शन का निपटान करें। जिस भी मेकर व चेकर द्वारा बिना कारण ऑब्जेक्शन रिवर्ट किए उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। बैठक में उन्होंने सभी मेकर व चेकर से लंबित ऑब्जेक्शन की जानकारी ली। साथ ही उन्हें निर्देश दिए कि वह प्रॉपर्टी आईडी से लंबित ऑब्जेक्शन का जल्द से जल्द निपटान करें। निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने बैठक में नई प्रॉपर्टी आईडी बनाने, उप-विभाजित प्रॉपर्टी आईडी के लिए ऑनलाइन आवेदन, लंबित प्रॉपर्टी आईडी ऑब्जेक्शन, प्रॉपर्टी आईडी में नाम, मोबाइल नंबर, संपत्ति एरिया, अप्रूव्ड, अनअप्रूव्ड आदि त्रुटियों को दुरुस्त करने, रिवर्ट व रिजेक्ट की गई आपत्तियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने मेकर व चेकर को निर्देश दिए कि किसी भी व्यक्ति को प्रॉपर्टी आईडी को दुरुस्त करने, उस पर लगाए ऑब्जेक्शन को राइट टू सर्विस कमिशन से निर्धारित समय के तहत दुरुस्त करें। बिना ठोस कारण किसी भी ऑब्जेक्शन को रिवर्ट व रिजेक्ट न करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी आईडी के मेकर, चेकर व अन्य अधिकारियों के बैठने का समय निर्धारित हो। लंबित ऑब्जेक्शन को जल्द निपटाया जाए। प्रॉपर्टी आईडी ऑब्जेक्शन दुरुस्त कराने के लिए आम जन को परेशान न किया जाए। निर्धारित समय पर प्रॉपर्टी संबंधित फाइलों का निपटान किया जाए। मेकर चेकर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करें। प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित अगर किसी की समस्या है तो उसको उसकी पूरी जानकारी देकर सही किया जाए। एक कार्य के लिए बार बार किसी को चक्कर न लगाना पड़े। जनता का हित सर्वोपरि है। इसलिए निगम कार्यालय आने वाले हर व्यक्ति से सकारात्मक व्यवहार करें। प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित उनकी समस्या को समझे और उसका निवारण करने में उसकी हर सहायता करें। जिन भी दस्तावेजों की जरूरत है, एक बार में ही संबंधित व्यक्ति से मंगवा लें। बार बार उसके निगम में चक्कर न लगवाए। ऑनलाइन दर्ज ऑब्जेक्शन का समय पर निपटान करें। बैठक में डीटीपी दलचंद, सभी भवन निरीक्षक, एनडीसी पोर्टल के सभी मेकर व चेकर व अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेला 16 को

कुरुक्षेत्र, 11 सितंबर (सुदेश कुमार) : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य जगमोहन ने कहा कि 16 सितंबर 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुरुक्षेत्र में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस रोजगार मेले में देश की बहुचर्चित कंपनी मै होंडा मोटरसाइकिल तथा स्कूटर प्रा. लि. मानेसर अप्रेंटिसशिप हेतू व एल. एंड टी. हापुड़ उत्तर प्रदेश जॉब प्लेसमेंट हेतू आईटीआई पास आउट छात्रों के साक्षात्कार व चयन हेतू इस संस्थान मे आ रही है। उन्होंने कहा कि सभी 2022-25 तक के विभिन्न इंजीनियरिंग ट्रेड जिसमें फिटर, टरनर, मशीनिस्ट, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, पेंटर, मोटर मैकेनिकल, ड्राफ्ट्समैन सिविल व प्लम्बर व्यवसाय के पासआउट छात्र/छात्राएं इसमें भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि चयनित छात्रों को इन प्रतिष्ठानों में न्यूनतम 1806 रुपए प्रति माह के वेतन पर रखा जाएगा।

प्रगतिशील किसान विकास चौधरी को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

नवाचार और कृषि क्षेत्र में किए गए विशेष योगदान से पूरे प्रदेश का बढ़ाया मान

नई दिल्ली, 11 सितंबर (ब्यूरो) : करनाल जिले के तरावड़ी के प्रगतिशील किसान विकास चौधरी ने अपने नवाचार और कृषि क्षेत्र में किए गए विशेष योगदान से पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्हें विश्व स्तर पर कार्य कर रही संस्था विश्व खाद्य पुरस्कार प्रतिष्ठान की आधिकारिक सूची में हरियाणा के भारतीय किसान के रूप में स्थान मिला है। विकास चौधरी पिछले 15 वर्षों से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने और पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देने में निरंतर कार्यरत हैं। वे प्राकृतिक संसाधन संरक्षण एवं ग्रामीण युवा सशक्तिकरण समिति के सचिव के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) और अंतरराष्ट्रीय संगठन सीमैट के साथ मिलकर किसानों को जलवायु अनुकूल खेती की पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। विशेष रूप से उन्होंने पराली प्रबंधन हेतु हैप्पी सीडर जैसी नई तकनीकों का प्रयोग करवाकर किसानों को लाभान्वित किया। उनकी उपलब्धि पर क्षेत्र के किसानों और कृषि विशेषज्ञों ने हर्ष जताते हुए कहा कि विकास चौधरी ने साबित किया है कि मेहनत, लगन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती को भी नए आयाम दिए जा सकते हैं। यह उपलब्धि न केवल करनाल जिले बल्कि पूरे हरियाणा के लिए गर्व की बात है।

आर्यन्स ग्रुप और शोबिज का हयात रीजेंसी में सुप्रीमेसी पेजेंटस का ग्रेंड फिनाले आयोजित

राजपुरा, 11 सितंबर (राजिंदर सिंह कंबोज) आर्यन्स ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस द्वारा शोबिज़ रियल्टी के सहयोग से हयात रीजेंसी, चंडीगढ़ में सुप्रीमेसी पेजेंट्स 2025 का बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फिनाले भव्यता के साथ आयोजित किया गया।इस अवसर पर आर्यन्स ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस के अध्यक्ष डॉ. अंशु कटारिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में और आर्यन्स ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस के महानिदेशक डॉ. परवीन कटारिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में, साथ ही कई मशहूर हस्तियाँ, उद्योग जगत के दिग्गज और प्रभावशाली व्यक्ति उपस्थित थे। इस शाम में सुप्रीमेसी टैलेंट्स की संस्थापक आशिमा शर्मा और शोबिज़ एम्पायर के निदेशक मनमीत सिंह और श्री अशदीप संधू के नेतृत्व में एक मंच पर ग्लैमर, संस्कृति और सशक्तिकरण का जश्न मनाया गया।इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. अंशु कटारिया ने कहा कि आर्यन्स ने हमेशा प्रतिभा और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। हमें सुप्रीमेसी पेजेंट्स जैसे मंच का हिस्सा होने पर गर्व है जो न केवल सौंदर्य और संस्कृति का जश्न मनाता है, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता भी फैलाता है। सीज़न 2 ने प्रतिभा, आत्मविश्वास और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है।ग्रैंड फ़िनाले में कई श्रेणियों में विजेताओं को ताज पहनाया गया, जिनमें मिस टीन सुप्रीमेसी इंडिया 2025 – गार्सिया कौर, मिस्टर टीन सुप्रीमेसी इंडिया 2025 – अनहद प्रीत सिंह बेदी, मिस सुप्रीमेसी इंडिया 2025 – खुशरीत कालरा, मिस्टर सुप्रीमेसी इंडिया 2025 – रिद्विक वर्मा, मिसेज़ सुप्रीमेसी इंडिया 2025 – मनीषा शर्मा, मिसेज़ एलीट सुप्रीमेसी – कंचन मैनी, और मिस्टर एलीट सुप्रीमेसी 2025 – जोगिंदर, आदि शामिल हैं।

फाजिल्का से पाकिस्तान से आमद 27 हथियार बरामद, दो गिरफ्तार, आपराधिक समूह की साजिश-डीजीपी

चंडीगढ़/फिरोजपुर, 11 सितम्बर (निस)मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान एक और बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) फाजिल्का के साथ संयुक्त ऑपरेशन में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक सीमा पार से चल रहे संगठित हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है, जिसमें 27 आधुनिक .30 बोर पिस्टलें और 470 जिंदा कारतूसों सहित दो हथियार सप्लायर्स को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस डायरेक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मंगल सिंह उर्फ मंगली, निवासी तेजा रहेला, फाजिल्का, और गुरमीत सिंह, निवासी ग्राम मुहार जमशेर, फाजिल्का के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हथियारों का यह बड़ा खेप पाकिस्तान से एक विदेशी संस्था के माध्यम से प्राप्त किया गया था और राज्य में आपराधिक गिरोहों द्वारा उपयोग किया जाना था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी इन हथियारों को अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर आपराधिक समूहों के संचालकों को पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे।डीजीपी ने बताया कि इस मॉड्यूल में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान करने तथा तस्करी किए गए हथियारों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए एआईजी सीआई फिरोजपुर गुरसेवक सिंह ब्रार ने कहा कि विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए सीआई फिरोजपुर और एसएसओसी फाजिल्का की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से फाजिल्का क्षेत्र में एक गुप्त ऑपरेशन चलाया।

ज्ञानी हरनाम सिंह दर्दी जी की सिख पंथ एवं पंजाब प्रति की गई सेवा सराहनीय-एडवोकेट कौमी

ज्ञानी हरनाम सिंह दर्दी

पटियाला 11 सितम्बर (निस) रोजाना चढ़दीकला के संस्थापक सचखंड वासी ज्ञानी हरनाम सिंह दर्दी जी की 49वीं बरसी पर उनको स्मरण करते हुए श्री ए.एस. कौमी प्रख्यात एडवोकेट पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने ज्ञानी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री कौमी ने कहा कि सिख पंथ के महान विद्वान ज्ञानी हरनाम सिंह दर्दी जी द्वारा पंजाब, पंजाबी एवं पंजाबियत के लिए चढ़दीकला रुपी लगाया गया पौधा आज विश्वस्तरीय प्रसिद्धि हासिल करके उनकी याद ताजा करवा रहा है। सिख पंथ के प्रसिद्ध विद्वान ज्ञानी हरनाम सिंह दर्दी जी की सिख कौम के लिए दी गयी कुर्बानी को कभी भूलाया नहीं जा सकता। दर्दी जी द्वारा सिख पंथ, पंजाबी भाषा एवं पंजाब की सेवा प्रशंसनीय है उनकी विचारधारा हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी। रोजाना चढ़दीकला के मुख्य संपादक पदमश्री जगजीत सिंह दर्दी ने कहा कि एडवोकेट कौमी एवं दर्दी परिवार के मध्य सांझ काफी पुरानी एवं मजबूत है जिस पर हमें गर्व है। स्मरण रहे श्री ए.एस. कौमी एडवोकेट आजादी लहर की विख्यात शख्सीयत श्री गंगा सिंह कौमी के पौत्र हैं।

तख्त श्री पटना साहिब को RDX से उड़ाने की धमकी, ईमेल से फैली सनसनी

अमृतसर 11 सितम्बर (निस) सचखंड श्री दरबार साहिब को मिले धमकी भरे ईमेल का अभी पूरी तरह खुलासा भी नहीं हुआ है कि इसी बीच एक और धमकी भरा ईमेल मिला है। अभी-अभी मिली जानकारी के अनुसार अब तख्त श्री पटना साहिब को भी ऐसा ही एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। तख्त श्री पटना साहिब के लंगर हॉल में बम रखे होने की खबर मिलते ही गुरुद्वारे के अंदर हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने तख्त के आधिकारिक ईमेल पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को एक ईमेल भेजा, जिसमें दावा किया गया कि लंगर हॉल में 4 ऋछङ्ग रखे गए हैं। यही नहीं इस ईमेल में विस्फोट से पहले वीवीआईपी और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकालने के लिए कहा गया है और इसमें पाकिस्तान जिंदाबाद और आईएसआई जिंदाबाद जैसे नारे भी लिखे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए गुरुद्वारा कमेटी ने तुरंत इसकी सूचना पटना एसएसपी को दी।इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच में जुटगई है।

इस दौरान लंगर हॉल सहित पूरे परिसर की बारीकी से जांच की गई, जिस दौरन कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। इसके बाद पुलिस व गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने राहत की सांस ली।ल फिलहाल इस बारे में जांच चल रही है कि ये धमकी भरा ईमेल किसने और कहां से भेजा है। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से ऐसी धमकियां मिल रही हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में जनजीवन धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहा-हरजोत सिंह बैंस

चंडीगढ़, 11 सितम्बर (निस) मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी अगुवाई में, पंजाब सरकार इस प्राकृतिक आपदा का दृढ़ता से सामना करते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल राहत और सहायता प्रदान करने के लिए दिन-रात अथक मेहनत कर रही है। बारिश घटने और पानी का स्तर गिरने के साथ, राज्य सरकार ने राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण उपायों को और तेज कर दिया है, जिससे बाढ़ पीड़ितों की ज़िंदगी पुनः पटरी पर आने लगी है। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि हलका श्री आनंदपुर साहिब के बाढ़ प्रभावित गांवों में 100 प्रतिशत सड़क संपर्क, बिजली तथा पानी की सप्लाई पुनः बहाल कर दी गई है। सिंहपुर-पलासी के निवासी अब राहत कैंपों से घर लौटने लगे हैं। मंत्री ने कहा कि हरसा बेला, पत्ती दूलची और बेला शिव सिंह जैसे कटे गांवों का संपर्क पुनः जोड़ा जा रहा है तथा बेला ध्यानी का टूटा लकड़ी का पुल अब मजबूत मोटरयुक्त पुल में बदला जाएगा। उन्होंने बताया कि फॉगिंग एवं दवा छिड़काव पूरा कर दिया गया है, डॉक्टरी टीमें एवं पशुपालन विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण मुहिम चलायी जा रही है और 10 ट्रक चारा वितरित किया जा चुका है। रैवेन्यू अधिकारियों द्वारा विशेष गिरदावरी जारी है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा।

पिछले कई हफ्तों से कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस लगातार अपने हलके में मौजूद रहकर प्रशासन के साथ मिलकर हालात पर काम कर रहे हैं। उन्होंने स्वयं वॉलंटियरों, पंच-सरपंचों और यूथ क्लबों के योगदान की भी प्रशंसा की, जिन्होंने इस संकट के समय उनके साथ मिलकर काम किया। पंजाब के कैबिनेट मंत्री डा. बलबीर सिंह और लाल चंद कटारूचक द्वारा आज भोआ हलके के गांव बकनौर, पम्मा, अंबी खटकरां, कोलियां अड्डा, अनियाल में 12 परिवारों को 51,000-51,000 रुपये के चेक वितरित किए गए। उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करते हुए वहां के निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनते हुए ठोस समाधान करने का वचन दोहराया।

अभी बंद रहेंगे स्कूल पंजाब के इस जिले में नए आदेश

होशियारपुर 11 सितम्बर (निस) डी.सी. आशिका जैन ने कहा है कि हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित जिले के 13 सरकारी स्कूलों को 9 सितम्बर से अगले आदेशों तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इनमें 8 प्राइमरी और 5 अपर प्राइमरी स्कूल शामिल हैं। डी.सी. आशिका जैन ने ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। प्रभावित स्कूलों को तभी खोला जाएगा जब इमारतें, सड़क संपर्क और अन्य बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह सुरक्षित पाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और शिक्षा विभाग के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ललिता अरोड़ा से प्राप्त जानकारी साझा करते हुए डी.सी. आशिका जैन ने बताया कि जिले के कुल 491 अपर प्राइमरी स्कूलों में से 5 स्कूल बंद रहेंगे, जबकि मंगलवार से 486 स्कूल खुलेंगे। बंद रहने वाले स्कूलों में सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूल गोंदपुर, सरकारी मिडिल स्कूल हकूमतपुर, सरकारी मिडिल स्कूल भटोलियां, सरकारी मिडिल स्कूल हलेड़ जनार्दन और सरकारी हाई स्कूल फुगलाना शामिल हैं।

इसी तरह जिले के 1220 प्राइमरी स्कूलों में से 8 स्कूल बंद रहेंगे। इनमें सरकारी प्राइमरी स्कूल साहिब दा पिंड, लुधियानी, देनोवाल कलां, मोना खुर्द, रूपोवाल, जाहिदपुर जट्टां, हलेड़ जनार्दन और बैंस अवान शामिल हैं। डी.सी. आशिका जैन ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को प्रभावित स्कूलों में न भेजें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी प्रभावित स्कूलों की सफाई और मुरम्मत का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई पर कम से कम प्रभाव पड़े।

नेपाल में सियासी संकट जारी ...

पृष्ठ एक का शेष ...दिखाई। हर्क साम्पाङ (धरान के मेयर) के बारे में कहा गया कि वे सर्वमान्य नेतृत्व नहीं बन सकते और सुशीला कार्की को संवैधानिक व आयुसीमा के कारण अयोग्य माना गया।

क्यों आगे आए कुलमान घिसिंग?-कुलमान घिसिंग देश को लोडशेडिंग (बिजली कटौती) से निजात दिलाने वाले, राष्ट्रभक्त और जनप्रिय व्यक्तित्व हैं। उन्होंने सरकारी तंत्र के भीतर रहते हुए पारदर्शिता, कार्यकुशलता और जनसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया है। यही कारण है कि उन्हें अंतरिम सरकार की विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है।

अयोध्या के 8 श्रद्धालु नेपाल में फंसे-कैलाश मानसरोवर से दर्शन कर लौटते समय नेपाल-चीन सीमा पर स्थित हिल्सा बॉर्डर (नेपाल) में अयोध्या के आठ श्रद्धालु फंसे हुए हैं। नेपाल में जारी तनाव के कारण वे भारत लौटने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखकर गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

विधायक सिंह ने अपने पत्र में भारत सरकार से अपील की है कि नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से भारत लाने के लिए जरुर कदम उठाए। उन्होंने संबंधित मंत्रालयों और अधिकारियों को निर्देशित करने की भी मांग की है।

वहीं, दूसरी ओर समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने भी मुद्दे को गंभीरता से लेकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है।

प्रधानमंत्री मोदी..

पृष्ठ एक का शेष...ने मॉरीशस में बंदरगाह के पुनर्विकास तथा पुनर्गठन और चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र के विकास और निगरानी में सहायता पर भी सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है। इसके अलावा भारत ने चालू वित्त वर्ष में दो करोड़ 50 लाख डॉलर की बजटीय सहायता प्रदान करने पर भी सैद्धांतिक रूप से सहमति दी है। दोनों पक्षों ने सात क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किये हैं। इनमें भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और मॉरीशस के तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं अनुसंधान मंत्रालय के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझोता ज्ञापन, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान और मॉरीशस समुद्र विज्ञान संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अंतर्गत श्कर्मयोगी भारतश् और मॉरीशस सरकार के लोक सेवा एवं प्रशासनिक सुधार मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन, विद्युत क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन, लघु विकास परियोजनाओं के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में समझौता ज्ञापन, जल विज्ञान के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण, उपग्रहों और प्रक्षेपण यानों के लिए टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और दूरसंचार स्टेशन की स्थापना तथा अंतरिक्ष अनुसंधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन शामिल हैं।साथ ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास और मॉरीशस विश्वविद्यालय, रेडुइट के बीच समझौता ज्ञापन और भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु तथा मॉरीशस विवि के बीच समझौता ज्ञापन की भी घोषणा की गयी।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब सरकार का नॉन-टीचिंग स्टाफ की सेवाओं को लेकर बड़ा ऐलान

मोहाली 11 सितम्बर (निस) पंजाब कैबिनेट ने स्कूल शिक्षा विभाग में 1007 पदों का सृजन और 'समग्र शिक्षा अभियान' (एस.एस.ए.) के तहत गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने के लिए भी सहमति दे दी। इससे एस.एस.ए. के गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने की लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने का रास्ता साफ होगा और सरकारी ढांचे में अनुभवी कर्मचारियों के शामिल होने से शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और अन्य कानूनी अड़चनें दूर होंगी। मंत्रिमंडल ने शिक्षा विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया को और सुचारू बनाने के लिए पंजाब एजुकेशन सर्विस रूल्स-2018 में संशोधन को मंजूरी दे दी। 2018 के मौजूदा नियमों में कुछ कैडरों के लिए पदोन्नति का कोई अवसर नहीं था, लेकिन अब इन नियमों में संशोधन के साथ पी.टी.आई. (एलिमेंट्री), प्री-प्राइमरी अध्यापकों, स्पेशल एजुकेटर अध्यापकों (सेकेंडरी) और स्पेशल एजुकेटर अध्यापकों (एलिमेंट्री) और वोकेशनल मास्टर्स को पदोन्नति के नए अवसर मिलेंगे। इस संशोधन से लगभग 1500 शिक्षकों को लाभ मिलेगा। इस संशोधन से नई भर्तियों का रास्ता खुलेगा और इच्छुक उम्मीदवारों के लिए नौकरियों के नए अवसर पैदा होंगे।

शराब पी कर कर रहे थे ये काम, पड़ गई 6 लाख की पैनल्टी

लुधियाना 11 सितम्बर (निस) ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़कों पर शराब का सेवन कर वाहन चलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी कड़ी में बीते सप्ताह 3 दिन की गई नाकाबंदी के दौरान 136 वाहनों के चालान किए गए जिनमें चालक शराबी हालत में ड्राइविंग कर रहे थे। ए.सी.पी. ट्रैफिक गुरप्रीत सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा शराबी हालत में ड्राइविंग करते पकड़े जाने पर 5000 रुपए की जुर्माना राशि तय की गई है। इसके साथ चालक का ड्राइविंग लाइसैंस 3 माह के लिए सस्पैंड करने का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर शराब का सेवन कर वाहन चलना खतरे से खाली नहीं, इसलिए लोग ड्रंकन ड्राइविंग का मोह त्याग कर अपने वाहन चलाएं। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा ड्रंकन ड्राइविंग पर नुकेल करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पंजाब में खूनी वारदात, गोलियों से भूना मेडिकल स्टोर का मालिक

बटाला 11 सितम्बर (निस) नजदीकी गांव चीमा खुड्डी में अज्ञात कार सवार व्यक्तियों ने मेडिकल स्टोर के मालिक पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। इस संबंध में मृतक के भाई निर्मल सिंह पुत्र महेंद्र सिंह निवासी गांव चीमा खुड्डी ने बताया कि उसका भाई जुगराज सिंह, जो घर पर ही अपना मेडिकल स्टोर चलाता है, आज शाम करीब साढ़े 4 बजे अपने मेडिकल स्टोर पर बैठा था कि तभी एक कार में सवार होकर दो व्यक्ति आए, जिन्होंने आते ही उसका उक्त भाई पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। इसके बाद वह उसे गंभीर रूप से घायल हालत में इलाज के लिए सिविल अस्पताल बटाला लेकर आए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि इस बारे में थाना श्री हरगोबिंदपुर की पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड, पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

कलगीधर ट्रस्ट बड़ू साहिब की बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बड़े कार्यक्रम का ऐलान

सिरमौर 11 सितम्बर (अमृतपाल) कलगीधर ट्रस्ट गुरुद्वारा बड़ू साहिब, हिमाचल प्रदेश की ओर से हर बार की तरह इस बार भी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए 26 अगस्त से अकाल सेवा टीमों को भेजने का कार्य आरंभ किया गया। कलगीधर ट्रस्ट बड़ू साहिब के उप-प्रधान भाई जगजीत सिंह द्वारा आज फाजिल्का ज़िले में ट्रस्ट द्वारा लगाए गए कावा वाली पत्तन राहत कैंप का दौरा किया गया। इस मौके पर उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों से मिलकर उन्हें भरोसा दिलाया कि जिनकी फसलें नष्ट हो चुकी हैं, घरों को नुकसान पहुँचा है, बच्चों की किताबें आदि बर्बाद हो गई हैं, उन सभी की हर संभव मदद संगत के सहयोग से की जाएगी। उन्होंने कहा कि संस्था ज़रूरतमंद लोगों को उनकी योग्यता के अनुसार रोज़गार देने का भी प्रयास करेगी ताकि वे अपने आर्थिक हालात सुधार सकें, और साथ ही अगली फसल की बुआई में भी सहायता की जाएगी। भाई साहिब ने गुरु नानक नाम लेवा संगत से अपील की कि वे अपने दसवंध (आय का दसवां हिस्सा) में से दान देकर इस आपदा में प्रभावित लोगों की मदद करें ताकि फसलें दोबारा बोई जा सकें, बच्चों की पढ़ाई फिर शुरू हो सके और जिनके घरों को नुकसान हुआ है, उनकी मरम्मत की जा सके। उन्होंने जानकारी दी कि अकाल सेवा टीम द्वारा गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर, तरनतारन, फाजिल्का और फिरोज़पुर ज़िलों में बाढ़ पीड़ित राहत कैंप स्थापित किए गए हैं। गुरदासपुर और पठानकोट के लिए ये कैंप अकाल अकैडमी टिब्बड़, दीनानगर, सुजानपुर और डेरा बाबा नानक में, अमृतसर ज़िले के लिए अकाल अकैडमी वच्छोआ और अकाल अकैडमी ददेहर साहिब में, जबकि फाजिल्का जिले के लिए अकाल अकैडमी थेह कलंदर में लगाए

अब इस Time के बाद बजाया DJ और ढोल तो फंस जाएंगे आप, आदेश जारी

जालंधर 11 सितम्बर (निस) पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए सार्वजनिक आपातकाल को छोड़कर साइलेंस जोन या आवासीय क्षेत्रों में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक हॉर्न बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के हवाले से पुलिस कमिश्नर द्वारा जारी आदेशों के तहत सार्वजनिक स्थानों की सीमा पर जहां लाउडस्पीकर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम या कोई अन्य ध्वनि उत्पन्न करने वाला स्रोत उपयोग किया जा रहा हो, वहां ध्वनि को क्षेत्र के लिए निर्धारित ध्वनि मानकों के अनुरूप रखने का आदेश दिया गया है। आदेशों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच (सार्वजनिक आपातकाल को छोड़कर) मैरिज पैलेसों और होटलों में ढोल, भोंपू, ध्वनि उत्पन्न करने वाला कोई यंत्र, साउंड एम्प्लीफायर और डीजे आदि नहीं बजाएगा। इसी तरह, निजी स्वामित्व वाले साउंड सिस्टम या ध्वनि उत्पन्न करने वाले यंत्रों का शोर स्तर निजी स्थान की सीमा के लिए निर्धारित शोर मानकों से 5 डी.बी.(ए) से अधिक नहीं होगा।

आदेशों में यह भी कहा गया है कि म्यूजिक सिस्टम वाले वाहनों के मामले में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि म्यूजिक सिस्टम से उत्पन्न ध्वनि दिन के किसी भी समय वाहन के बाहर न सुनाई दे। यदि इन आदेशों का उल्लंघन पाया जाता है, तो ऐसे ध्वनि सिस्टम को जब्त कर लिया जाएगा। यह आदेश 6 नवंबर, 2025 तक लागू रहेगा।

पंजाब पावरकॉम ने जारी किए सख्त आदेश, बड़े एक्शन की लग रही तैयारी

लुधियाना 11 सितम्बर (निस) पावरकॉम की सिटी वैस्ट डिवीजन के अंतर्गत पड़ते चौड़ा बाजार कार्यालय में तैनात जे.ई. दीपक कुमार के खिलाफ बाजवा नगर इलाके के रमन चोपड़ा व मयंक चोपड़ा द्वारा लगाए गए दुर्व्यवहार संबंधी समाचार पंजाब केसरी द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद उच्चाधिकारियों द्वारा उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। उक्त मामले को लेकर आम जनता में पावरकॉम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली के खिलाफ सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं। उक्त मामले में शिकायतकर्ता रमन चोपड़ा और मयंक चोपड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों के मुताबिक उनकी बाजवा नगर इलाके में स्थित फैक्टरी में लगा बिजली का मीटर शॉर्ट सर्किट होने के कारण जलकर खराब हो गया जिसकी शिकायत उनके द्वारा विभाग को लिखित में देने सहित पावरकॉम की ऑनलाइन साइट पर भी की गई लेकिन शिकायत का समाधान नहीं हुआ। जब मामले संबंधी जे.ई. दीपक कुमार से बात की गई तो कर्मचारी द्वारा उनके साथ कथित बदसलूकी की गई। शिकायतकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से जे.ई. दीपक कुमार के खिलाफ विजीलैंस जांच करवाने और उसे तुरंत सस्पैंड करने की अपील की है। पावरकॉम विभाग के चीफ इंजीनियर जगदेव सिंह हांस ने बताया कि दीपक कुमार के खिलाफ लगे आरोपों की विभागीय जांच की जा रही है। आरोप सही पाए जाने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।